CNews सिटी चीफ

सिटी चीफ

वर्ष-15, अंक-141
पृष्ठ-8 मूल्य 2 रूपया

सम्पूर्ण भारत मे चर्चित हिन्दी अखबार

इंदौर, सोमवार 26 अगस्त 2024

CITYCHIEFSENDMENEWS@GMAIL.COM

आज का विचार

आत्मा का अंतिम लक्ष्य परमात्मा में मिल जाना होता है।

श्री कृष्ण जन्माष्टमी के पावन पर्व की आप सभी को हार्दिक शुभकामनाएं

5251 साल बाद कृष्ण जन्माष्टमी पर द्वापर युग जैसे अद्भुत योग

2024 की कृष्ण जन्माष्टमी सोमवार यानी आज खास संयोग में मनाई जाएगी। इस दिन वैसा ही दुर्लभ योग बन रहा है जैसा कि 5251 वर्ष पूर्व यानी द्वापर युग में बना था। इस दिन रोहिणी नक्षत्र के साथ सूर्य सिंह में, चंद्रमा वृषभ राशि में और जयंती योग बन रहा है। ऐसा दुर्लभ योग बनना काफी शुभ माना जा रहा है। इस योग में पूजा करने से कई गुना अधिक फल मिलता है। माना जाता है कि जयंती योग में व्रत रखने से अक्षय पुण्य की प्राप्ति होगी। 26 अगस्त के दिन रोहिणी नक्षत्र दोपहर 3 बजकर 55 मिनट से शुरू होगा और 27 तारीख की मध्य रात्रि तक रहेगा। इसके साथ ही चंद्रमा जन्माष्टमी के दिन वृषभ राशि में रहेंगे। माना जाता है कि जब कृष्ण भगवान का जन्म हुआ था, तब भी ऐसा ही योग बना था, यानि चंद्रमा उस समय भी वृषभ राशि में विराजमान थे। इसके साथ ही जन्माष्टमी का त्योहार इस बार सोमवार के दिन है। जब भी यह त्योहार सोमवार या बुधवार के दिन आता है तो, इसे बेहद शुभ संयोग माना जाता है।

जन्माष्टमी पर शुभ पूजा मुहूर्त

- सुबह के समय पूजा का शुभ मुहूर्त- प्रात:- काल 5.55 से 7.36 बजे तक। इस दौरान अमृत चौघड़िया रहेगा।
- शाम के समय पूजा का शुभ मुहूर्त- दोपहर 3.35 से शाम 7 बजे तक।
- रात के समय पूजा का शुभ मुहूर्त- रात्रि 12 से 12.45 बजे तक।
- अभिजीत मुहूर्त- दिन के समय 11.56 से दोपहर 12.48 बजे तक।

श्रीकृष्ण जन्म अष्टमी महोत्सव में शामिल हुए सीएम डॉ. मोहन यादव, कान्हा बने बच्चों को गोद में लिया, बाल-गोपालों को माखन मिश्री खिलाई

हर त्योहार धूमधाम से मनाएगी सरकार

इंदौर। इंदौर के दशहरा मैदान पर रविवार को श्रीकृष्ण जन्म अष्ठमी का महोत्सव मनाया गया। इसमें मुख्यमंत्री मोहन यादव शामिल हुए। यहां सैकड़ों बच्चे कृष्ण की वेषभूषा में आए थे। इस मौके पर कलाकारों द्वारा बांसुरीवादन भी किया गया। मुख्यमंत्री मोहन यादव के लिए पांडाल में एक रैम्प भी बनाया गया था। जिस पर चलते हुए मुख्यमंत्री ने पांडाल में मौजूद लोगों पर फूल भी बरसाए। उन्होंने लोगों का अभिवादन किया। इस दौरान उन्होंने कान्हा बने कई बच्चों को गोद में लेकर उनके साथ फोटो खिंचवाए और फूल बरसाए। इसके बाद उन्होंने बाल-गोपालों को माखन मिश्री खिलाई और मटकी फोड़ कार्यक्रम में हिस्सा लिया। इस मौके पर मोहन यादव ने गोविंदा आला रे आला भजन सुनाया।

हर मां चाहती है उसका बेटा कृष्ण का अनुयायी हो

सीएम मोहन यादव ने कहा कि परमात्मा की दया के बाद मानव योनी में जन्म होता है। भाग्य अच्छा हो तो भारत में जन्म होता है,क्योकि यह राम-कृष्ण का देश है। सरकार ने फैसला लिया है कि मध्यप्रदेश में हर तीज त्योहार का सरकार से भी सरोकार रहेगा और उन्हें धूमधाम से मनाया जाएगा। मुख्यमंत्री ने कहा कि जन्म और मृत्य का क्रम तो चलता रहेगा, लेकिन परिवार में यशस्वी बालक हो तो कुल तर जाता है। हर मां चाहती है कि उसका बेटा कृष्ण का अनुयायी हो। भगवान श्रीकृष्ण ने मानवता के हित के लिए धरती पर जन्म लिया। उनके जीवन के प्रसंग हमें प्रेरणा देते है।

मध्यप्रदेश में विद्यार्थी बनकर आए थे कृष्ण

सीएम मोहन यादव ने कहा कि कृष्ण मध्यप्रदेश में विद्यार्थी बनकर आए थे। उन्होंने जो शिक्षा ग्रहण की। वे श्रीमद भगवतगीता के रुप में हम पा सकते हैं। गीता पूरे विश्व में आदर्श रुप से जानी जाती है। दोस्ती का सबसे बड़ा उदाहरण कृष्ण और सुदामा की दोस्ती है। उन्होंने जीवन के हर परिस्थिति में मित्रता निभाने का संदेश दिया। सीएमने कहा कि भगवान कृष्ण के जन्म प्रदेश की धरती पर जहां जहां भी पड़े, उन्हें तीर्थ के रुप में विकसित किया जाएगा।

ऑस्ट्रेलिया में आज से काम के घंटों के बाद बॉस की अनदेखी का अधिकार

नई दिल्ली। ऑस्ट्रेलिया में सोमवार से श्रमिकों को काम के घंटों के बाद अपने बॉस को अनदेखा करने का अधिकार होगा। उनके इस अधिकार (राइट टू डिस्कनेक्ट) को एक कानून के जरिए संरक्षण दिया जाएगा। यह कानून फरवरी महीने में ही पास किया गया था। इस नए कानून के तहत श्रमिकों को काम के तय घंटों के बाद अपने नियोक्ताओं की मॉनिटरिंग के बाहर रहने और उनके संदेशों की अनदेखी करने का अधिकार मिलेगा। इस कानून के बाद कर्मचारियों को काम के घंटों के बाद अपने नियोक्ताओं को काम करने से मना करने का अधिकार होगा बशर्ते की उनका ऐसा करना अनुचित न हो। आधिकारिक कानून में कहा गया है कि यह अधिकार किसी कर्मचारी के काम के घंटों के बाद उससे संपर्क करने के प्रयास को भी कवर करता है। हालांकि, कानून में आगे कहा गया है कि अगर इनकार को अनुचित माना जाता है तो कॉल के लिए कई कारकों जैसे कारण, संपर्क का तरीका आदि पर विचार किया जाएगा। श्रमिकों को कानून बनाकर इस तरह की सुविधा देने वाला ऑस्ट्रेलिया पहला देश नहीं है, फ्रांस और जर्मनी सहित कई यूरोपीय संघ के देशों में भी पहले से ऐसे कानून मौजूद हैं। इस तरह के कानून कर्मचारियों को काम के घंटों के बाद अपने मोबाइल फोन को बंद रखने की अनुमति देते हैं।

छतरपुर हिंसा मामले में हाजी शहजाद अली के खिलाफ लुक आउट सर्कुलर

छतरपुर। छतरपुर में थाने पर हुई पत्थरबाजी मामले में फरार चल रहे मुख्य आरोपी हाजी शहजाद अली के खिलाफ जिला प्रशासन ने लुक आउट सर्कुलर जारी किया है। उसके विभिन्न ठिकानों पर पुलिस छापा मार कार्रवाई कर रही है। पुलिस उसे जल्द से जल्द पकड़ने की कोशिश कर रही है। दरअसल, 21 अगस्त से पुलिस छतरपुर हिंसा के मुख्य आरोपी शहजाद अली की तलाश कर रही है, लेकिन हाजी अली अभी भी पुलिस की गिरफ्त से दूर है। पुलिस को इस बात का डर है कि कहीं वह देश छोड़ कर किसी दूसरे देश में न चला जाए। इसलिए पुलिस ने आरोपी के खिलाफ लुक आउट सर्कुलर नोटिस जारी किया है। छतरपुर एसपी अगम जैन ने बताया कि आरोपी शहजाद अली को पकड़ने के लिए पुलिस पिछले चार दिनों से प्रयास कर रही है, लेकिन आरोपी अभी तक पकड़ में नही आया है। चूंकि शहजाद अली के संबंध अन्य देशों में भी हैं इसलिए लुक आउट सर्कुलर जारी किया गया है। उसके अलग अलग ठिकानों पर छापामार कार्रवाई की जा रही है, ताकि आरोपी को जल्द से जल्द गिरफ्तार किया जा सके। हाजी शहजाद अली ने दो दिनों पहले एक वीडियो जारी किया था जिसमें खुद को निर्दोष बताया था। तीन मिनट के वीडियो में हाजी कई बार अपने आप को बेगुनाह और पुलिस का मददगार बताते हुए निष्पक्ष जांच की मांग करता दिखा।

मप्र के 21 जिलों में हुई तेज बारिश, नदी-नाले उफान पर

सभी छोटे-बड़े डैम लबालब, आज भी एक्टिव रहेगा बारिश का स्ट्रॉन्ग सिस्टम

इंदौर/भोपाल। मध्यप्रदेश में मौसम प्रणालियों के असर से पर्याप्त नमी आ रही है जिस वजह से प्रदेश के ज्यादातर जिलों में भारी बारिश का दौर जारी है। रविवार को भी प्रदेश के 21 से ज्यादा जिलों में भारी बारिश और बाकी जिलों में हल्की बारिश दर्ज की गई। लगातार बारिश से प्रदेश में नदी-नाले उफान पर आ गए हैं। प्रमुख बांधों समेत लगभग सभी छोटे-बड़े डैम लबालब हो गए हैं। मौसम विभाग ने अगले 24 घंटे के लिए कई जिलों में रेड ऑरेंज अलर्ट जारी किया है। रविवार को भोपाल और उज्जैन में एक-एक इंच बारिश दर्ज की गई। वहीं इंदौर, खरगोन, रीवा, शिवपुरी में आधा इंच बारिश हुई। बैतूल, धार, गुना, नर्मदापुरम, पचमढ़ी, रायसेन, शाजापुर, छिंदवाड़ा, दमोह, जबलपुर, खजुराहो, मंडला, सागर, टीकम गढ़ और उमरिया में बारिश का दौर जारी रहा। प्रदेश में बारिश का स्ट्रॉन्ग सिस्टम सोमवार को भी एक्टिव रहेगा। मौसम विभाग ने 15 जिलों में अलर्ट जारी किया है। इनमें से पांच जिलों अलीराजपुर, झाबुआ, बड़वानी, रतलाम और धार में अगले 24 घंटे के अंदर भारी से अति भारी बारिश हो सकती है। इसके अलावा बड़वानी, इंदौर, रतलाम, उज्जैन, देवास, मंदसौर, भिंड, मुरैना, सिंगरौली, मऊगंज, सीधी, पन्ना और छतरपुर में भारी बारिश का अलर्ट है। बाकी जिलों में हल्की बारिश और गरज-चमक की स्थिति बनी रहेगी। मौसम विभाग से मिले आंकड़ों के मुताबिक पिछले 24 घंटों के दौरान भोपाल में 112.4 मिमी (लगभग 4.5 इंच), टीकमगढ़ में 107.0 मिमी, रायसेन में 94.8, पचमढ़ी में 54.8, उज्जैन में 50 मिमी, उमरिया में 44.4, सागर में 43.6, छिंदवाड़ा में 43.2, ग्वालियर में 37.6, जबलपुर व सिवनी में 34.4, गुना में 34, बैतूल में 32.8, नर्मदापुरम में 32.3, इंदौर में 30.9, रतलाम में 24.2 मिमी बारिश रिकॉर्ड की गई।

दोषी और उसके मददगार बचने नहीं चाहिए

मोदी बोले- महिलाओं के खिलाफ अपराध अक्षम्य पाप

जलगांव। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी रविवार को महाराष्ट्र के जलगांव पहुंचे। इस दौरान प्रधानमंत्री मोदी ने उन 11 लाख नई 'लखपति दीदी' को प्रमाण-पत्र देकर सम्मानित किया, जिन्होंने उनके तीसरे कार्यकाल के दौरान इस मुकाम को हासिल किए हैं। पीएम मोदी ने 2,500 करोड़ का रिवॉल्विंग फंड भी जारी किया। इससे 4.3 लाख स्वयं सहायता समूहों (एसएचजी) के लगभग 48 लाख सदस्यों को लाभ होगा। पीएम मोदी ने 5,000 करोड़ का बैंक ऋण भी वितरित किया। इससे 2.35 लाख एसएचजी के 25.8 लाख सदस्य लाभान्वित होंगे।

समारोह के दौरान पीएम मोदी ने संबोधित भी किया। कोलकाता के महिला डॉक्टर से दुष्कर्म-हत्याकांड को लेकर पूरे देश मचे बवाल के बीच पीएम मोदी ने महिलाओं के खिलाफ अत्याचार मुद्दे पर भी बयान दिया। उन्होंने

कहा कि माताओं, बहनों और बेटियों को सशक्त करने के साथ ही उनकी सुरक्षा भी देश की प्राथमिकता है। मैंने लाल किले से बार-बार इस मुद्दे को उठाया है। आज देश का कोई भी राज्य हो, मैं अपनी बहनों-बेटियों के दर्द और गुस्से को समझता हूं। मैं एक बार फिर देश के हर राजनीतिक दल से, हर राज्य सरकार से कहूंगा कि महिलाओं के खिलाफ अपराध एक अक्षम्य पाप है। जो भी दोषी है, उसे बख्शा नहीं जाना चाहिए। किसी भी रूप में उसकी मदद करने वालों को बख्शा नहीं जाना चाहिए। अस्पताल हो, स्कूल हो, सरकार हो या पुलिस व्यवस्था, जिस भी स्तर पर लापरवाही हुई है, सबकी जवाबदेही होनी चाहिए, सबका हिसाब किया जाना चाहिए। ऊपर से नीचे तक संदेश बहुत स्पष्ट जाना चाहिए। यह पाप अक्षम्य है। सरकारें आती-जाती रहेंगी, लेकिन महिलाओं के जीवन की रक्षा और उनके सम्मान की रक्षा, समाज के तौर पर और सरकार के तौर पर हम सबकी बहुत बड़ी जिम्मेदारी है। प्रधानमंत्री ने कहा कि आज इतनी बड़ी संख्या में देश की बहनें-बेटियां यहां हैं। मैं आपको ये विशेष रूप से बताना चाहता हूं। पहले शिकायतें रहती थीं कि समय पर एफआईआर दर्ज नहीं होती, सुनवाई नहीं होती, मामलों में देरी होती थी।

राजगढ़ के तीन गांवों कड़िया सांसी, गुलखेड़ी और हुलखेड़ी से डरता है पूरा देश

राजगढ़। मध्यप्रदेश के राजगढ़ जिले में स्थित तीन गांवों की कहानी अजीबोगरीब है।आलीशान बंगलों और धन-धान्य से भरपूर ये तीन गांव राजगढ़ जिले में आर्थिक समृद्धि के मामले में सबसे अलग है। हालांकि इसके पीछे की कहानी काफी भयावह है। इन तीन गांवों के लोगों पर देशभर में करीब 1200 मामले दर्ज हैं। राजगढ़ जिले के इन गांवों से गलत गतिविधियां संचालित होती हैं। हाल ही में राजस्थान की राजधानी जयपुर के एक पांच सितारा होटल में एक शादी के दौरान 14 वर्षीय लड़के द्वारा 1.45 करोड़ रुपए के कीमती सामान की चोरी ने इन गांवों- कड़िया सांसी, गुलखेड़ी और हुलखेड़ी को देश के अपराध मानचित्र पर ला दिया। स्थानीय पुलिस का अनुमान है कि इन गांवों के लड़कों, पुरुषों, लड़कियों और महिलाओं के खिलाफ देश भर में करीब 1200 आपराधिक मामले दर्ज किए गए हैं।

कई राज्यों में करते हैं अपराध

कड़िया सांसी गांव के सरपंच मोहन सिंह ने दावा किया कि गांव के लोग शिक्षित हैं और प्रमुख शहरों में काम करते हैं। अधिकारियों ने कहा कि पिछले छह महीनों में पुलिस ने कड़िया गिरोह के 25 सदस्यों को गिरफ्तार किया है। उनके कब्जे से 4.37 करोड़ रुपये का माल और कीमती सामान जब्त किया है। राजगढ़ के एसपी आदित्य मिश्रा ने कहा कि कड़िया सांसी के लोग न केवल मध्यप्रदेश में बल्कि अन्य राज्यों में भी आपराधिक गतिविधियों में सक्रिय हैं।

इन गांवों में गिरफ्तारी करना आसान नहीं

करीब 5000 की आबादी वाला कड़िया सांसी गांव अवैध गतिविधियों का केंद्र है। इसके बावजूद सुरक्षा एजेंसियों के लिए इन गांवों में गिरफ्तारी करना आसान नहीं है। 10 अगस्त को ऐसे ही एक प्रयास के दौरान स्थानीय पुलिस के साथ गई तमिलनाडु के कोयंबटूर की एक पुलिस टीम पर बोडा थाना के अंतर्गत गुलखेड़ी गांव में हमला किया गया था। बोदा के थाना प्रभारी रामकुमार भगत ने बताया कि इन गांवों के लोगों पर स्थानीय मामले कम हैं। लेकिन, इन गांवों के लोगों विशेषकर कड़िया सांसी के लोगों पर देश के विभिन्न हिस्सों में कई आपराधिक मामले दर्ज हैं। इनके बारे में हमें तभी पता चलता है जब बाहरी पुलिस हमसे संपर्क करती है। बताया कि पूरे देश में इन लोगों के खिलाफ 1000-1200 मामले दर्ज हो सकते हैं।

पुरुषों की तुलना में ज्यादा अपराध करती हैं महिलाएं

बोदा के थाना प्रभारी रामकुमार भगत ने कहा कि जिला मुख्यालय से लगभग 50 किलोमीटर दूर इन तीन गांवों के लोगों को लूट, चोरी और अन्य अपराधों से आसानी से पैसा मिल जाता है। वे ऐसा करने के लिए एक दूसरे को प्रेरित करते हैं। चूंकि इनमें से अधिकतर लोग अपराधों से जुड़े हुए हैं, इसलिए इन्हें रोकने वाला कोई नहीं है। इन गांवों की महिलाएं पुरुषों की तुलना में अधिक अपराध करती हैं।

CNews सिटी चीफ
सम्पूर्ण भारत मे चर्चित हिन्दी अखबार
Fastest Growing Media Network

अवश्यकता है

इंदौर भोपाल जिले के सभी तहसीलो में दैनिक अख़बार और डिजिटल रिपोर्टर की।

डिजिटल और प्रिंट के लिये मार्केटिंग टीम (मेल/फीमेल) एवं हेल्परो की अवश्यकता हैं

डिजिटल मीडिया का क्रान्तिकारी कदम

डिजिटल भारत में खबरों के लिए देखे सिटी चीफ न्यूज़

रिपोर्टर बनने के लिए सम्पर्क करे

9755996590

सिंगल कॉलम

पति ने पत्नी को जबरदस्ती पिलाया एसिड, केस दर्ज

इंदौर। इंदौर के चंदन नगर में पत्नी को जबरदस्ती एसिड पिलाने का मामला सामने आया है। पुलिस ने घटना के 7वें दिन एमवाय अस्पताल में बयान लिये। इसके बाद पुलिस ने पति के खिलाफ हत्या के प्रयास सहित गंभीर धाराओं में केस दर्ज किया है। चंदन नगर पुलिस के मुताबिक बजरंग नगर निवासी 30 वर्षीय महिला की शिकायत पर उसके पति पर 109, 124 (1) बीएनएस में केस दर्ज किया है। महिला को उसके पति दीपक ने 18 अगस्त को जबरदस्ती एसिड पीला दिया। इस मामले में एएसआई दीपक गोराना ने रविवार को महिला के बयान लिए। महिला ने बताया कि पति दीपक जो भी कमाते हैं वह शराब पीने में खर्च कर देते हैं। मेरे साथ मारपीट करते हैं। पिछले रविवार पति को शराब पीने से रोका तो उन्होंने मेरे मुंह में एसिड की बॉटल डाल दी। बेटे लक्की ने छुड़ाने की कोशिश की। लेकिन पति ने धक्का देकर भगा दिया। बेटे ने घर से भागकर भाई सरवन, अर्जुन को घर बुलाया। तब तक मेरे मुंह में छाले हो गए थे, होठ जलने लगे, और पेट में असहनीय जलन होने लगी। यह देखकर वे मुझे तत्काल एमवाय अस्पताल लेकर पहुंचे। यहां आते-आते मैं बोलने की हालत में भी नहीं थी। पुलिस ने बताया कि एक सप्ताह बाद जब महिला की हालत में सुधार हुआ तब उसके बयान लिए। इसके बाद पुलिस ने पति दीपक पर हत्या के प्रयास सहित गंभीर धाराओं में केस दर्ज किया है।

एडिशनल एसपी की बहू ने मायके में की आत्महत्या

इंदौर। एडिशनल एसपी तरुणेंद्र सिंह बघेल की बहु ने मायके में फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली। एमआईजी पुलिस ने मामला दर्ज कर लिया है। शव का पोस्ट मार्टम करवाया गया है। 12 जुलाई को ही श्रेया की वरुण सिंह से शादी हुई थी। अभी तक आत्महत्या के कारणों का खुलासा नहीं हुआ है। पुलिस ने जांच के लिए श्रेया का मोबाइल जब्त कर लिया है। एमआइजी टीआई मनीष लोधा के अनुसार 28 वर्षीय श्रेया सिंह की शादी 12 जुलाई को वरुण सिंह से शादी हुई थी।श्रेया का मायका खजराना रोड़ पर क्लासिक पूर्णिमा इस्टेट में है, जहां वह आई थी। श्रेया ने मायके में ही फांसी पर लटककर आत्महत्या कर ली। घरवालों को सुबह 7 बजे घटना की जानकारी लगी। बेटी को फांसी फंदे पर लटकता देख मां अलका ने नजदीकियों को इसकी खबर दी। सहकारिता विभाग में पदस्थ सौरभ प्रताप सिंह ने पुलिस को मामले की सूचना दी। और शव को फंदे से नीचे उतारा। एसीपी नरेंद्र रावत के मुताबिक स्वजन अभी कथन देने की स्थिति में नहीं है। श्रेया के फोन की जांच करवाई जाएगी।

देवी अहिल्या पालकी यात्रा व सम्मान समारोह1 सितंबर को सीएम होंगे शामिल

इंदौर। सीएम डॉ. मोहन यादव 1 सितंबर को देवी अहिल्याबाई की 229वीं पुण्यतिथि पर आयोजित सम्मान समारोह एवं पालकी यात्रा में मुख्य अतिथि के रूप में सम्मिलित होंगे। मुख्यमंत्री ने रविवार को इंदौर प्रवास पर देवी अहिल्या उत्सव समिति के सदस्यों को अपनी स्वीकृति प्रदान की। देवी अहिल्या उत्सव समिति के कार्यकारी अध्यक्ष अशोक डागा ने बताया कि संस्था की ओर से पूर्व लोकसभा स्पीकर सुमित्रा महाजन के इस अनुरोध का पत्र मुख्यमंत्री को इंदौर प्रवास के दौरान समिति की ओर से उत्सव प्रमुख सुधीर देड़गे एवं मीडिया प्रभारी राम मूंदड़ा ने प्रदान किया। ताई के अनुरोध के बारे में उन्हें बताया गया। मुख्यमंत्री ने कहा कि – मैं पुण्यश्लोक अहिल्याबाई के इस पुनीत आयोजन में जरूर उपस्थित रहूंगा। यह मेरे लिए अत्यंत सौभाग्य का विषय होगा। इस अवसर पर कैबिनेट मंत्री तुलसी सिलावट एवं विधायक मालिनी गौड़ भी उपस्थित रहे।

तीन सूदखोरों पर आत्महत्या के लिए उकसाने का केस दर्ज

इंदौर। इंदौर की मल्हारगंज पुलिस ने तीन सूदखोरों के खिलाफ केस दर्ज किया है। पुलिस के मुताबिक आरोपियों ने रुपए वसूलने के लिए पीड़ित को परेशान किया था। इसके चलते उसने अपनी जान दे दी। मौत के पहले उसने तहसीलदार को बयान दिए थे। इसके बाद जांच कर पुलिस ने केस दर्ज किया है। मल्हारगंज पुलिस से मिली जानकारी के मुताबिक तरूण मित्तल निवासी सिमरन पार्क ने 7 जून 2024 को जहर खा लिया। उन्हें उपचार के लिए शैल्बी अस्पताल में भर्ती कराया गया। यहां तहसीलदार ने उनके बयान लिए तो जानकारी आई कि संजय पुत्र छोटेलाल हार्डिया निवासी पंचशील नगर, महेश अग्रवाल निवासी मुराई मोहल्ला, अंकित पुत्र मदनलाल जयसवाल ने उन्हें कर्ज के रुपए को लेकर काफी परेशान किया। जिससे प्रताड़ित होकर उन्होंने यह कदम उठाया। बाद में उनकी मौत हो गई। जिसमें बयान को आधार मानकर पुलिस ने मामले में प्रताड़ना को लेकर कार्रवाई की है।

धर्म, इतिहास और देश की जानकारी बच्चों तक पहुंचाने के लिए मुख्यमंत्री मोहन यादव ने की घोषणा

धर्म की शिक्षा देगी सरकार, हर जिले में बनेंगे गीता भवन

सिटी चीफ इंदौर।

इंदौर। मध्यप्रदेश के हर जिले में गीता भवन का निर्माण होगा। इसके लिए सरकार हर नगरीय निकाय को बजट जारी करेगी। मुख्यमंत्री मोहन यादव ने यह घोषणा इंदौर के गीता भवन में आयोजित जन्माष्टमी कार्यक्रम में की। मुख्यमंत्री ने कहा कि हमारे धर्म, इतिहास और देश की जानकारी बच्चों तक पहुंचाने के लिए प्रदेश के हर जिले में गीता भवन की स्थापना की जाएगी। इंदौर में स्थापित गीता भवन ने पूरी दुनिया को गीता और धर्म की शिक्षा दी है। इस तरह के केंद्र अब प्रदेश के हर जिले में स्थापित किए जाएंगे। इस मौके पर मुख्यमंत्री मोहन यादव ने यह भी कहा कि कृष्ण जन्माष्टमी हर स्कूल में मनाने का उद्देश्य भी यही है कि बच्चे भगवान कृष्ण के जीवन से शिक्षा लें। जिस तरह भगवान कृष्ण ने कंस की सत्ता को खत्म किया और महाभारत के बाद धर्म की स्थापना की, उसी तरह हमारी युवा पीढ़ी को भी धर्म की स्थापना के लिए आगे आना चाहिए।

आध्यात्मिक ज्ञान आमजन तक पहुंचेगा

मुख्यमंत्री ने कहा कि इन केंद्रों के माध्यम से आध्यात्मिक ज्ञान और हमारे ग्रंथों, महापुरुषों के सद उपदेश का ज्ञान भी आमजन तक पहुंचेगा। उन्होंने भगवान श्री कृष्ण के जीवन के अलग-अलग घटनाक्रमों के वृत्तान्त को बड़े ही रोचक तरीके बताया। उन्होंने कहा प्रदेश सरकार द्वारा इस तरह के व्याख्यान के माध्यम से आमजन तक भगवान श्री कृष्ण के कर्म प्रधान जीवन की जानकारी पहुंचाने का कार्य किया जा रहा है। इस व्याख्यान आयोजन में जल संसाधन मंत्री तुलसीराम सिलावट, सांसद शंकर लालवानी, महापौर पुष्यमित्र भार्गव, विधायक महेंद्र हार्डिया, विधायक गोलू शुक्ला, विधायक मधु वर्मा, विजय दत्त श्रीधर, प्रभुदयाल मिश्र, संभागायुक्त दीपक सिंह, पुलिस कमिश्नर राकेश गुप्ता, कलेक्टर आशीष सिंह, गौरव रणदिवे, गीता

भवन ट्रस्ट इंदौर के अध्यक्ष रामचंद्र एरन, ट्रस्ट के मंत्री रामविलास राठी सहित गणमान्यजन, गीता भवन ट्रस्ट के पदाधिकारी, सदस्य आदि उपस्थित थे।

माचिस की तीली की भूमिका में कार्य कर रही सरकार

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा श्री कृष्ण जन्माष्टमी के अवसर पर प्रदेश भर में भगवान श्री कृष्ण के जीवन पर व्याख्यान आयोजन रखे गए हैं। प्रदेश सरकार इस प्रयास के माध्यम से ज्ञान रूपी दीपक को प्रज्वलित करने वाली छोटी सी तीली की भूमिका में कार्य कर रही है। व्याख्यान के माध्यम से हमारे वरिष्ठ जन हमारे ग्रंथों, महापुरुषों के जीवन और उनके किए गए कार्यों को आमजन तक बेहद ही सहज तरीके से पहुंचाने का कार्य कर रहे हैं। उन्होंने कहा भगवान श्री कृष्ण का पूरा जीवन कर्म पर समर्पित रहा। उन्होंने अलग-अलग लीलाओं के माध्यम से कर्म को प्रधान रखते हुए कर्म को ही धर्म माना।

बुद्ध और उनके शिष्य के संवाद का वृतांत

सीएम ने भगवान बुद्ध और उनके शिष्य के संवाद का भी बेहतर ही रोचक तरीके से वृतांत सुनाया। भगवान बुद्ध ने कहा था मृत्यु का कारण जन्म है। पृथ्वी पर जिस भी जीव का जन्म हुआ है उसकी मृत्यु तय है। हम देवताओं की जयंती मनाते हैं क्योंकि उनके द्वारा मनुष्य जन्म में किए गए कर्म पूजनीय है। देवताओं ने भी मनुष्य योनी को अपनाया। पुण्य के संचय हेतु जन्म आवश्यक है। भगवान ने विभिन्न अवतारों में जन्म लेकर मनुष्य जीवन में सुख और दुख के बीच अपने कर्म को महत्ता दी। उन्होंने माता देवकी और वासुदेव, बाबा नंद और माता यशोदा के त्याग को उल्लेख किया। उन्होंने कहा भगवान कृष्ण ने जन्म से लेकर अपने पूरे जीवन में विभिन्न लीलाओं के माध्यम से कर्म प्रधान और पुरुषार्थ जीवन जीया।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने इंदौर स्थित गीता भवन ट्रस्ट को हर संभव सहयोग प्रदान करने की बात कही। उन्होंने कहा इंदौर में हर घर कृष्ण हर घर यशोदा की पहल अनूठी है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने मंदिर में भगवान श्री कृष्ण का पूजन कर बांसुरी भेंट की। कार्यक्रम में ट्रस्ट की ओर से मुख्यमंत्री डॉ. यादव को भगवान श्री कृष्ण एवं राधा जी की प्रतिमा भेंट कर स्वागत किया गया।

भारतीय संस्कृति के भगवान श्री कृष्ण पुरोधा

व्याख्यान कार्यक्रम को संबोधित करते हुए श्री विजयदत्त श्रीधर ने श्री कृष्ण के भाव, सौंदर्य और प्रेम का समुच्चय विषय पर अपने व्याख्यान में कहा भारतीय संस्कृति के भगवान श्री कृष्ण पुरोधा रहे हैं। उन्होंने श्री कृष्ण के जीवन के अलग-अलग वृतांत जिसमें कृष्ण-अर्जुन द्रोपदी, रुकमणी प्रसंग सुनाते हुए श्री कृष्ण के जीवन के वृतांत को बड़े ही रोचक तरीके से प्रस्तुत किया। उन्होंने भगवत गीता के श्लोकों और उनके अर्थों को बेहतर सहज तरीके से अपने व्याख्यान के माध्यम से प्रस्तुत किया। उन्होंने कहा यह आयोजन सनातन संस्कृति को जानने, समाज में रचनात्मकता और बेहतर दिशा देने का कार्य करने वाला सिद्ध होगा।

कर्म पर सदैव अडिग रहें

श्री कृष्णा समग्रता की प्रतिमूर्ति विषय पर प्रभु दयाल मिश्रा ने श्रीमद भगवत गीता के 18 हजार श्लोकों के अंतिम श्लोक को अपने व्याख्यान में समाहित करते हुए कहा एकाग्र भाव से किया गया कर्म ही सार्थक होता है। कर्म के प्रति नियंत्रण होता है लेकिन फल पर नियंत्रण नहीं होता है। उन्होंने कहा कर्म में आनंद की अनुभूति होना चाहिए, क्योंकि कर्म करने की भूमिका में आनंद होता है। क्योंकि भगवान श्री कृष्ण ने कर्म को ही धर्म माना। व्यक्ति को कर्म पर सदैव अडिग रहना चाहिए। आभार ट्रस्ट के राठी ने माना।

आज इस्कॉन मंदिर जाने के लिए ट्रैफिक में बदलाव

सिटी चीफ इंदौर।

इंदौर। इस्कॉन मंदिर में सोमवार को जन्माष्टमी का पर्व धूमधाम से मनाया जाएगा। चूंकि इस बार हाईवे पर बन रहे 3 लेयर फ्लाईओवर के कारण हाईवे पर चलने वाला ट्रैफिक सर्विस रोड से चल रहा है, इस कारण डायवर्टेड ट्रैफिक टीसीएल से इस्कॉन मंदिर की ओर आने वाले रास्ते से होकर वेलवेट की ओर जाता है तथा जल भराव की स्थिति के कारण इस्कॉन मंदिर के आसपास पार्किंग व्यवस्था न होने से जन्माष्टमी के अवसर पर पार्किंग एवं यातायात डायवर्सन व्यवस्था की गई है।

सोमवार को दोपहर 3 बजे से इस्कॉन मंदिर के आसपास किसी प्रकार के वाहन नहीं जा सकेंगे शिवा रेस्टोरेंट, ऑप्शन पार्क कालोनी से इस्कॉन मंदिर गेट की ओर वाहन नहीं जा सकेंगे ।

निपानिया से इस्कॉन मंदिर की ओर जाने वाले चार पहिया वाहनों की व्यवस्था

निपानिया से इस्कॉन मंदिर की ओर आने वाले चार पहिया वाहन सेवा रेस्टोरेंट से डायवर्ट कर टीसीएल से होते हुए वेलवेट की ओर जाएंगे तथा वेलवेट गार्डन परिसर अथवा बघेल मैरिज गार्डन परिसर में वाहन पार्क होंगे। अथवा बीसीएम हाइट्स होते हुए एडवांस एकेडमी की ओर आई डी ए स्कीम के अंदर वाले रोड पर पार्किंग होगी।

रेडिसन की ओर से आने वाले वाहनों की

यह व्यवस्था

रेडिसन की ओर से आने वाले वाहन स्टार चौराहा होते हुए लाभ गंगा एवं वेलवेट की ओर जाएंगे तथा वेलवेट गार्डन अथवा बाघेला गार्डन परिसर मे वाहन पार्क कर वहां से ई रिक्शा के माध्यम से इस्कॉन मंदिर पहुंचेंगे।

हाईवे और पटेल नगर की ओर से आने वाले वाहनों के लिए

हाईवे तथा पटेल नगर की ओर से आने वाले वाहन लाभ गंगा होते हुए अथवा बेस्ट प्राइज होते हुए वेलवेट गार्डन परिसर अथवा बाघेला परिसर में वाहन पार्क करेंगे ।

3 बजे से एडवांस एकेडमी से इस्कॉन मंदिर का रास्ता बंद

दोपहर बजे से सभी प्रकार के वाहन एडवांस एकेडमी से इस्कॉन मंदिर की ओर नहीं जा सकेंगे।

एडवांस ऐकेडमी सर्विस रोड पार्किंग, वेलवेट गार्डन परिसर पार्किंग तथा वाघेला परिसर पार्किंग से इस्कॉन मंदिर समिति द्वारा ई रिक्शा व्यवस्था की गई है , इन ई रिक्शों से ही दर्शनार्थी इस्कॉन मंदिर तक आ जा सकेंगे ।

इंदौर में सिटी बसों का किराया बढ़ा, 30 की जगह अब देने होंगे 40 रुपए

सिटी चीफ इंदौर।

इंदौर। अटल इंदौर सिटी ट्रांसपोर्ट सर्विसेस लिमिटेड इंदौर के कार्यालय में रविवार को बैठक आयोजित की गई। मुख्य कार्यपालन अधिकारी दिव्यांक सिंह (आईएएस) द्वारा एआईसीटीएसएल के माध्यम से संचालित इंटर सिटी, इंटरा सिटी एवं इंटर स्टेट बसों के संचालकों के साथ योजना बैठक संपन्न हुई। इसमें बताया गया कि रविवार से बसों का किराया बढ़ा दिया गया है। नई दरें रविवार से ही लागू हो गई हैं।

बैठक में यात्रियों को बेहतर सुविधाएं उपलब्ध कराने, चालक परिचालकों के व्यवहार, बसों के शेड्यूलिंग, यात्री पास, बसों की यथा स्थान पार्किंग, बसों के व्यवस्थित रख-रखाव के साथ ही सिस्टम को स्वपोषित (सेल्फ सस्टेनेबेल) बनाने के विषय में चर्चा हुई। आगामी समय में विभिन्न इंटर सिटी बसों के संचालन के लिए वर्तमान में चल रही निविदा प्रक्रिया के विषय में चर्चा के साथ ही, पैसेंजर फॉल्ट सिस्टम लागू करने संबंधी सुझावों पर भी बात हुई।

ढाई लाख यात्री रोज यात्रा करते हैं

बैठक में बताया गया कि शहर में संचालित बसों के किराए का पुनरीक्षण किया गया है। उपरोक्त किराया शहर में संचालित सिटी बस, आई बस एवं इलेक्ट्रिक बसों में आज से लागू हो गया है। शहर में 400 बसों का संचालन किया जाता है।

जिसमें से 40 इलेक्ट्रिक, बीआरटीएस में 29 सीएनजी एवं 30 इलेक्ट्रिक व बाकी सिटी बसें सम्मिलित हैं। प्रतिदिन लगभग ढाई लाख यात्री इस सुविधा का लाभ लेते हैं।

डिपो का दौरा भी किया

आगामी समय में नायता मुंडला से बसों में संचालन के विषय में चर्चा के पश्चात मुख्य कार्यपालन अधिकारी द्वारा नायता मुंडला बस डिपो का दौरा भी किया गया। बैठक में सभी बस संचालक एवं अन्य अधिकारी उपस्थित रहे।

पत्नी ने शराब पीने से रोका तो पति ने पिलाया एसिड, महिला अस्पताल में भर्ती

इंदौर। शराबी पति ने पत्नी की जान लेने की कोशिश की। उसके मुंह में जबरदस्ती एडिस भर दिया। गंभीर अवस्था में अस्पताल में भर्ती करवाया गया है। पति के विरुद्ध केस दर्ज कर लिया है। घटना चंदननगर थाना अंतर्गत बजरंग नगर(सिरपुर) की है। 30 वर्षीय सुमित्रा ने पति दीपक के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज करवाई है। दीपक शराब पीने का आदी है। रोज नशा कर घर आता है। शनिवार को भी नशे की अवस्था में घर आया था। सुमित्रा ने समझाया तो मारपीट की और जबरदस्ती मुंह में एसिड डाल दिया। बेटा लक्की बचाने आया तो उसके साथ भी मारपीट की।

आधा ब्लड मैच होने पर भी ट्रांसप्लांट

35 लाख का इलाज इंदौर के अस्पताल में होता है फ्री

सिटी चीफ इंदौर।

इंदौर में मरीजों को अब आधुनिक सुविधाएं मिलने लगी हैं। प्रदेश के पहले शासकीय सुपर स्पेशिएलिटी अस्पताल में बालिग मरीजों के लिए हैप्लो ट्रांसप्लांट की सुविधा शुरू हो गई है। इससे अब बच्चों के साथ ही सभी आयु वर्ग के मरीजों को ट्रांसप्लांट की सुविधा मिलने लगी है।

अभी तक शत-प्रतिशत ब्लड मैच होने के बाद ही बोन मेरो ट्रांसप्लांट किया जा सकता था, लेकिन इसके माध्यम से अब 50 प्रतिशत मैच होने के बाद भी ट्रांसप्लांट किया जा सकता है। इसमें ल्यूकेमिया, क्रोनिक थेलेसीमिया, ब्लड कैंसर,एनीमिया आदि के मरीजों को लाभ मिल रहा है। अस्पताल में अब तक दो बालिग मरीजों के ट्रांसप्लांट अस्पताल में हो चुके हैं। निजी अस्पताल में इसका खर्च 35 लाख रुपये आता है, लेकिन एसएसएच में शासकीय योजना और संस्थाओं की मदद से निश्शुल्क सुविधा मरीजों को मिल रही है। हेमेटोलाजिस्ट डॉ. अक्षय लाहोटी ने बताया कि ट्रांसप्लांट के लिए हम ब्लड ग्रुप मैच करते हैं, यदि आधा ही मैच होता है तो उसमें मरीज की रिस्क बढ़ जाती है। बोनमेरो ट्रांसप्लांट में ब्लड ग्रुप मैच नहीं होता तो ट्रांसप्लांट नहीं होता है, लेकिन इसमें यदि आधा मैच हो जाता है, तो भी ट्रांसप्लांट किया जा सकता है। इसके लिए ब्लड ग्रुप की तरह एचएलए (ह्यूमन ल्यूकोसाइट एंटीजन) मैच करवाते हैं। इसमें हम मरीज और डोनर के जींस मैच करते हैं। पहले हैप्लो ट्रांसप्लांट ज्यादा नहीं होते थे, लेकिन अब नई दवाई और प्रोसिजर आ गए हैं, जिससे अब यह होने लगा है।

कमजोर स्ट्रक्चर और वेल्डिंग के कारण गिरी चोरल रिसोर्ट की छत

सिटी चीफ इंदौर।

इंदौर। चोरल रिसोर्ट में हुए हादसे की जांच पीडब्लूडी अफसरों ने की थी। जिसकी रिपोर्ट आ चुकी है। रिपोर्ट में खुलासा हुआ कि कमजोर स्ट्रक्चर और वेल्डिंग ठीक से नहीं होने के कारण लोहे के खंबे छत का वजन नहीं सह पाए और छत पांच मजदूरों पर गिर गई। इससे उनकी मौत हो गई। इस तरह का निर्माण रिसॉर्ट में अन्य छह डुप्लेक्स में भी पाया गया है। अफसरों ने कहा कि उन्हें भी तोड़ना ठीक रहेगा, क्योकि भविष्य में वे भी हादसे की वजह बन सकते है। पीडब्लूडी की रिपोर्ट में खुलासा हुआ है कि लोहे के ढांचों पर जी प्लस वन के डुप्लेक्स बनाते समय लोड का भी ध्यान इंजीनियर ने नहीं रखा गया। स्टील के स्ट्रक्चर को भी नट बोल्ट से कसने के बजाए सिर्फ पतले से एंगल पर वेल्ड किया गया। बारिश में छत का वजह और बढ़ गया था और छत का वजन लोहे के एंगल झेल नहीं पाए।

निर्माण में ठेकेदार ने भी लापरवाही बरती, क्योंकि ठीक से वेल्डिंग कराने की जिम्मेदारी उसकी थी, लेकिन उसकी भी हादसे में मौत हो चुकी है। आपको बता दे कि चोरल के रिसॉर्ट में छत गिरने से पांच मजदूरों की पिछले दिनों मौत हो गई है। इस मामले में पुलिस ने चार रिसॉर्ट मालिकों के खिलाफ प्रकरण दर्ज किया है।

अन्य रिसॉर्ट की भी होगी जांच

महू और चोरल क्षेत्र में कृषि भूमि पर कई रिसोर्ट बन चुके है। प्रशासन उनकी भी जांच कराएगा। इसके लिए एक टीम गठित की गई है।

जमीन का भूउपयोग, अनुमतियां और निर्माण अनुमति की जानकारी रिसॉर्ट मालिकों से ली जाएगी। क्षेत्र में 500 से ज्यादा फार्म हाउस और रिसॉर्ट की जानकारी अफसरों को मिली है।

भोपाल के साथ ही चंबल, सागर, जबलपुर, इंदौर उज्जैन संभाग के जिलों में भारी बारिश के आसार

सिटी चीफ भोपाल।

मध्य प्रदेश में जोरदार बरसात का दौर जारी है, मौसम विभाग के अनुसार सोमवार को भोपाल के अलावा ग्वालियर, चंबल, सागर, जबलपुर, इंदौर, उज्जैन संभाग के जिलों में कहीं-कहीं भारी बारिश की आशंका बनी हुई है। पूरे मालवा निमाड़ में भारी बारिश का दौर जारी है और भारी बारिश की संभावना बनी हुई है। इंदौर,उज्जैन संभाग के जिलों में कहीं-कहीं अति भारी बारिश होने के भी आसार हैं। पिछले 24 घंटों में भोपाल में छह मिलीमीटर से ज्यादा बारिश हो चुकी है। मौसम विज्ञान केंद्र अनुसार उत्तर-पश्चिमी मप्र एवं उससे लगे उत्तर-पूर्वी राजस्थान पर अवदाब का क्षेत्र बना है। मौसम विज्ञान केंद्र के पूर्व वरिष्ठ मौसम विज्ञानी अजय शुक्ला ने बताया कि अवदाब के क्षेत्र के सोमवार को राजस्थान पहुंचकर गहरे अवदाब के क्षेत्र में परिवर्तित होने के आसार हैं। बंगाल की खाड़ी में बना चक्रवात भी कम दबाव के क्षेत्र में बदलने वाला है। मानसून द्रोणिका भी मप्र से होकर जा रही हैं। इस वजह से बता दें कि इस सीजन में एक जून से लेकर 25 अगस्त की सुबह साढ़े आठ बजे तक भोपाल अंचल के राजगढ़ के ब्यावरा में 139, रायसेन के बेगमगंज में 135, भोपाल के नवीबाग में 129, भोपाल एयरपोर्ट क्षेत्र में 112.4, सागर के खुरई में 110.2, मिलीमीटर से ज्यादा बारिश हो चुकी है।

इस सप्ताह जारी है बरसात का दौर

कुछ दिनों तक मौसम साफ रहने के बाद पिछले एक सप्ताह में मप्र में जोरदर बारिश का दौर चल रहा है, इसमें भोपाल अंचल भी खास प्रभावित रहा है। भोपाल और पूरे प्रदेश में बारिश होने की संभावना बनी हुई है। रुक-रुककर बारिश का सिलसिला अभी दो-तीन दिन तक बना रह सकता है। भोपाल के आसपास गरज और चमक के साथ बारिश हो रही है। नदी नाले उफान पर है और जनजीवन अस्त व्यस्त हो गया है।

UPS के पक्ष में मप्र के कर्मचारी

सितंबर में पुलिस भर्ती, सुर्खियों में रहीं बड़ी खबरें

सिटी चीफ भोपाल।

भोपाल। सितंबर से पुलिस आरक्षकों की भर्ती, यूनिफाइड पेंशन स्कीम के पक्ष में मप्र के कर्मचारी, लखपति दीदी की सफलता की कहानी, एक अक्टूबर से नया मुख्य सचिव नियुक्त करेगी सरकार, मौसम समेत दिनभर सुर्खियों में रहीं प्रदेश की बड़ी खबरें।

पान वाले ने जीता शिवराज का दिल

रविवार को हल्की फुहारों के बीच केंद्रीय मंत्री शिवराज सिंह चौहान का काफिला वीआईपी रोड से गुजरा। उन्होंने रेत घाट पर उतरकर एक दुकान पर चाय पी और पास की दुकान पर पान भी खाया। पान वाले ने पान का पैसा लेने से इंकार किया, लेकिन शिवराज ने पैसे दिए। नर्मदा घाटी में हो रही वर्षा और बांधों के गेट खुलने से इंदिरा सागर और ओंकारेश्वर बांधों का जलस्तर बढ़ गया है। रविवार को इंदिरा सागर के आठ और ओंकारेश्वर के सात गेट खोलकर नर्मदा नदी में पानी छोड़ा गया। इंदिरा सागर बांध का जलस्तर 261.5 मीटर है, जिससे कुल 2848 क्यूमेक्स पानी छोड़ा जा रहा है।

नवंबर से शुरू होगी मप्र पुलिस में भर्ती

प्रदेश पुलिस में लगभग 500 उप निरीक्षकों के पदों की भर्ती की प्रक्रिया अब तक शुरू नहीं हो पाई है, क्योंकि शासन ने भर्ती नियम नहीं तैयार किए हैं। सितंबर से आरक्षकों की भर्ती के लिए शारीरिक दक्षता परीक्षा शुरू हो रही है, जो 2 माह तक चलेगी। उप निरीक्षकों की भर्ती प्रक्रिया नवंबर या दिसंबर में शुरू होने की संभावना है और पूरी होने में 5-6 माह लग सकते हैं, जिससे नियुक्ति 2025 तक संभव होगी।

भोपाल में धूमधाम से मनेगी जन्माष्टमी

मंदिरों में होगी आरती होगी, बधाई गीत गाएंगे श्रद्धालु

सिटी चीफ भोपाल।

बाल गोपाल के स्वागत के लिए शहर तैयार है। सोमवार को श्रीकृष्ण जन्माष्टमी उत्साह व श्रद्धाभाव से मनाई जाएगी। बिड़ला, श्रीकृष्ण प्रणामी, श्रीजी, इस्कान सहित अन्य मंदिर रंग-बिरंगी विद्युत साज-सज्जा से जगमग हो गए हैं। कान्हा का आगमन रात 12 बजे किया जाएगा। कहीं सोने के वर्क व सीप के मोती वाले पोशाक में भगवान श्रीकृष्ण श्रद्धालुओं को दर्शन देंगे तो कहीं चांदी के पालने में भगवान के दर्शन होंगे।

बन रहे शुभ योग

ज्योतिषाचार्य पं. विनोद गौतम और रामजीवन दुबे ने बताया कि श्रीमद् भागवत पुराण के अनुसार द्वापर युग में जब भगवान कृष्ण का जन्म हुआ था उस दौरान जो शुभ योग थे, लगभग वही योग इस बार भी बन रहे हैं। भगवान कृष्ण के जन्म के समय के छह तत्व हैं।

भाद्र कृष्ण पक्ष, रात 12 बजे, अष्टमी तिथि, रोहिणी नक्षत्र, वृषभ राशि में चंद्रमा, इनके साथ सोमवार या बुधवार का होना है। उन्होंने बताया कि भगवान कृष्ण का जन्म मध्यरात्रि अष्टमी तिथि को हुआ था। इस बार यह तिथि एक दिन (सोमवार सुबह 3:40 बजे से देर रात 2:20 बजे तक) ही रहेगी। ऐसे में स्मार्त और वैष्णव एक ही दिन पर्व मनाएंगे।

इस्कान मंदिर पटेल नगर में अमेरिका, रूस, यूरोप से आएंगे श्रद्धा

पटेल नगर इस्कान मंदिर में श्रीकृष्ण जन्माष्टमी महोत्सव मनाया जाएगा। इस वर्ष की जन्माष्टमी बहुत ही विशेष है, क्योंकि यह पूर्ण पुरुषोत्तम भगवान कृष्ण की प्राकट्य की 5251वीं वर्ष है। यहां अमेरिका, रूस, यूरोप सहित कई देशों से श्रद्धालु शामिल होंगे। मंदिर में 60 हजार लोगों के लिए प्रसादी बांटने की व्यवस्था की गई है। भगवान श्रीकृष्ण को 108 व्यंजनों का भोग लगेगा।

निकलेंगी शोभायात्राएं, सजेंगी झांकियां

श्रीजी मंदिर लखेरापुरा, बरखेड़ी में यादव समाज के राधा-कृष्ण मंदिर, भेल बरखेड़ा श्रीकृष्ण सहित कई स्थानों से शोभायात्राएं निकाली जाएंगी। इसमें भगवान श्रीकृष्ण की लीला पर आधारित झांकियां व पालकी रहेंगी। श्री कृष्ण प्रणामी मंदिर शिवाजी नगर में इस बार कन्हैया का जन्मोत्सव सागौन की लकड़ी से निर्मित नए झूले पर किया जाएगा।

भोपाल में चरित्र शंका में पत्नी की हत्या कर पति ने थाने में किया समर्पण

सिटी चीफ भोपाल।

पिपलानी इलाके में एक युवक ने चरित्र शंका में अपनी पत्नी की हत्या कर दी। हत्या के तुरंत बाद उसने पिपलानी थाने पहुंचकर आत्मसमर्पण कर दिया। पुलिस के अनुसार 31 वर्षीय दिलीप मेहरा लेबर कालोनी में रहता है और फोटोग्राफी का काम करता है। उसकी करीब छह साल पहले छाया मेहरा से शादी हुई थी। दोनों की चार वर्ष की बच्ची भी है। ढाई महीने पहले छाया पति से विवाद के बाद बेटी के साथ घर से भाग गई थी। तब दिलीप को शंका थी कि वह किसी के साथ प्रेम-प्रसंग के चलते भागी थी। कुछ दिन पहले ही वह वापस अपनी बेटी के साथ घर पहुंची थी। रविवार को दोनों का इसी बात को लेकर विवाद हो गया। जिसके बाद युवक ने गला घोंटकर पत्नी को मौत के घाट उतार दिया। पुलिस ने मौके पर पहुंचकर शव को पीएम के लिए भेजा है।

बदमाशों ने जीआरपी पुलिस के साथ की धक्का मुक्की

भोपाल में बदमाशों के हौसले लगातार बुलंद होते जा रहे हैं। आलम ये है कि यहां बेखौफ बदमाशों को पुलिस प्रशासन या कानून व्यवस्था का भी कोई खौफ नहीं रह गया है। रानी कमलापति रेलवे स्टेशन पर सामने जहां बदमाशों ने जीआरपी पुलिस के साथ धक्का मुक्की हो गई।

देर रात होने के कारण जीआरपी पुलिस कमलापति रेलवे स्टेशन पर स्थित नाम का आइवरी क्लब बंद कराने पहुंची थी। यहां रात अधिक होने के बावजूद क्लब में तेज साउंड में डीजे बजाया जा रहा था। तेज आवाज में बज रहे डीजे को बंद कराने और भीड़ को बाहर कराने जीआरपी पुलिस पहुंची थी। इस बीच जीआरपी पुलिस से धक्का मुक्की कर दी गई।

मप्र जनजातीय संग्रहालय में गोंड समुदाय की चित्रकार सुनैना तेकाम के चित्रों की प्रदर्शनी

भोपाल। शहर में कलात्मक, सांस्कृतिक, सामाजिक, खेल, धार्मिक आदि गतिविधियों का सिलसिला निरंतर चलता रहता है। सोमवार 26 अगस्त को भी शहर में ऐसी अनेक गतिविधियों का आयोजन होने जा रहा है, जिनका आप आनंद उठा सकते हैं। यहां हम कुछ ऐसे ही चुनींदा कार्यक्रमों की जानकारी पेश कर रहे हैं, जिसे पढ़कर आपको अपनी दिन की कार्ययोजना बनाने में आसानी होगी।

जीपी बिड़ला संग्रहालय भगवान श्रीकृष्ण की लीलाओं और महाभारत के पत्रों पर आधारित छाया चित्र प्रदर्शनी का आयोजन किया जा रहा है।इसे सुबह 10 बजे से शाम पांच बजे तक देखा जा सकता है।

इंदिरा गांधी राष्ट्रीय मानव संग्रहालय के अंतरंग प्रदर्शनी भवन वीथी संकुल में अगस्त माह के प्रादर्श के रूप में पारंपरिक छतरी खुमरी का प्रदर्शन किया गया है।इसे सुबह 11 बजे से देखा जा सकता है।

आलियांस द फ्रांसिस,शाहपुरा में प्रकाश हतवलने के छाया चित्रों की प्रदर्शनी 'फ्रोजन फ्रेम्स' का आयोजन किया जा रहा है।छाया चित्रों सुबह 11 बजे से देखा जा सकता है।

मप्र जनजातीय संग्रहालय की लिखंदरा दीर्घा में गोंड समुदाय की चित्रकार सुनैना तेकाम के चित्रों की प्रदर्शनी सह-विक्रय का संयोजन किया गया है।प्रदर्शनी को दोपहर 12 बजे से देखा जा सकता है।

यूनिफाइड पेंशन स्कीम के पक्ष में मप्र के कर्मचारी नई योजना में है 4.5 लाख से ज्यादा कर्मचारी

भोपाल। ओल्ड पेंशन स्कीम की काट में भारत सरकार की ओर से लाई जाने वाली यूनिफाइड पेंशन स्कीम को लेकर मध्य प्रदेश के कर्मचारी उत्साहित हैं। कर्मचारी नेताओं के अनुसार, नई स्कीम में न्यूनतम पेंशन की गारंटी के साथ वे सभी सुविधाएं मिलेंगी, जो राज्य सरकार द्वारा दी जाने वाली पेंशन में मिलती है।

यही कारण है कि सभी कर्मचारी संगठन ने न केवल इसका स्वागत किया है बल्कि सरकार से मांग भी की है कि न्यू पेंशन स्कीम में प्रदेश के जो साढ़े चार लाख से अधिक अधिकारी-कर्मचारी हैं, उन्हें इसका लाभ दिया जाए। नई योजना को प्रदेश में लागू करने से पहले इससे खजाने पर पड़ने वाले असर का परीक्षण सरकार वित्त विभाग से कराएगी।

न्यू पेंशन स्कीम और यूनिफाइड पेंशन स्कीम

न्यू पेंशन स्कीम वर्ष 2004 से लागू है। इसमें कर्मचारियों को 10 प्रतिशत अंशदान देना होता है। सरकार अपनी ओर से 14 प्रतिशत राशि मिलाती है। सेवानिवृत्त होने पर इसी राशि से पेंशन बनती है, जो ओल्ड पेंशन की तुलना में कम रहती है। इसी कारण से इसका विरोध हुआ और चुनाव में मुद्दा भी बना। अब भारत सरकार जो यूनिफाइड पेंशन स्कीम लेकर आई है, उसमें न्यू पेंशन स्कीम की सभी कमियों को दूर किया गया है।

प्रदेश में नई स्कीम लागू करने की मांग मध्य प्रदेश कर्मचारी मंच के प्रदेश अध्यक्ष अशोक पांडे ने मुख्यमंत्री डा. मोहन यादव को पत्र लिखकर योजना को मध्य प्रदेश में भी लागू करने का अनुरोध किया है। उनका कहना है कि सरकार मूल वेतन का साढ़े 18 प्रतिशत अंशदान अपने खाते से जमा करेगी। न्यू पेंशन स्कीम के जो कर्मचारी सेवानिवृत्त हो चुके हैं, उन्हें भी इसका लाभ मिलेगा। इसी तरह संविदा कर्मचारी अधिकारी महासंघ के प्रांताध्यक्ष रमेश राठौर ने निगम, मंडल और सार्वजनिक उपक्रम के कर्मचारी के लिए भी लागू करने की मांग की। उधर, मुख्यमंत्री कार्यालय के अधिकारियों का कहना है कि योजना का मध्य प्रदेश के संदर्भ में वित्त विभाग से परीक्षण कराकर नीतिगत निर्णय लिया जाएगा। हालांकि आल डिपार्टमेंट आउटसोर्स संयुक्त संघर्ष मोर्चा के प्रांतीय संयोजक मनोज भार्गव का कहना है कि योजना में संविदा और आउटसोर्स वाले कर्मचारियों का कोई उल्लेख नहीं है।

स्वजन मोबाइल से दूर रहने की नसीहत देते थे, युवक ने फांसी लगाई

भोपाल। निशातपुरा थाना इलाके में एक युवक ने अपने घर में फांसी लगा ली। तलाशी में कोई सुसाइड नोट नहीं मिलने से खदकुशी की वजह अभी स्पष्ट नहीं हो सकी है। हालांकि पूछताछ में पुलिस को पता चला है कि युवक रात भर जागकर मोबाइल फोन देखा करता था। स्वजन उसे समय-समय पर मोबाइल फोन का इस्तेमाल कम करने की नसीहत देते थे। निशातपुरा थाने के एसआइ रामसिंह ठाकुर ने बताया कि 20 वर्षीय सोहन उर्फ समीर पुत्र अनंतराम सेन पारस नगर फेस-दो में परिवार के साथ रहता था। परिवार में माता-पिता के अलावा विवाहित बड़ी बहन है। पिता अनंत कुमार की बस स्टैंड पर किताबों की दुकान है। रविवार सुबह सोहन कमरे से बाहर नहीं आया, तो परिवार के लोगों ने चाय पीने के लिए उसे कई बार आवाज दी। कोई प्रतिक्रिया नहीं मिलने पर अनहोनी की आशंका के चलते दरवाजा तोड़ दिया गया। कमरे में अंदर सोहन दुपट्टे से फंदा बनाकर फांसी पर लटका था। प्रारंभिक पूछताछ में पुलिस को पता चला कि सोहन कोई काम काज नहीं करता था। वह दिन अक्सर सो जाया करता था, रात भर मोबाइल फोन देखा करता था। इस वजह से स्वजन अक्सर उसे फोन से दूर रहने की नसीहत दिया करते थे।

बुलडोजर कार्रवाई के खिलाफ सुप्रीम कोर्ट और मानव अधिकार आयोग जाएगी कांग्रेस

सिटी चीफ भोपाल।

छोला मंदिर इलाके में 15 दिन पहले संदिग्ध परिस्थितियों में हुई सेवानिवृत्त रेलकर्मी की मौत की गुत्थी पुलिस ने सुलझा ली है। दूसरी पत्नी ने पेंशन की राशि हड़पने के लिए सोते समय पति का तकिया से गला घोंट दिया था। वारदात में महिला का बेटा भी शामिल था। पुलिस ने हत्या का केस दर्ज कर रविवार को दोनों को गिरफ्तार कर लिया है।

छोला मंदिर थाना प्रभारी सुरेशचंद्र नागर ने बताया कि नौ अगस्त को सुबह 10 बजे भरत चौधरी नाम का व्यक्ति शिवनगर फेस-तीन में रहने वाले 63 वर्षीय जागेश्वर प्रसाद को उपचार के लिए पीपुल्स अस्पताल पहुंचा था। डाक्टर ने चेक करने के बाद जागेश्वर को मृत पाया। मामला संदिग्ध प्रतीत होने पर पुलिस को सूचना दे दी थी।

पहली पत्नी के बच्चों ने हत्या की आशंका जताई थी

पुलिस ने पोस्टमार्टम कराने के साथ मामले की जांच में स्वजन के बयान दर्ज किए। उसमें साथ रह रही दूसरी पत्नी प्रेमलता, प्रेमलता के पुत्र जय वाल वंश ने जागेश्वर की मौत को स्वाभाविक मौत होना बताया। उधर पिता से अलग रहकर निवास कर रही जागेश्वर की पूर्व पत्नी किरण साकेत की बेटियों ऊषा, सरोज एवं मुकेश ने पिता की हत्या किए जाने की आशंका जताई थी।

पोस्टमार्टम रिपोर्ट में गला घोंटने की पुष्टि हुई

हाल ही में पुलिस को मिली पोस्टमार्टम रिपोर्ट में जागेश्वर की मौत गला घोटने से होना पाई गई। पुलिस ने प्रेमलता और जय को हिरासत में लेकर पूछताछ की तो उन्होंने नौ अगस्त को सुबह छह बजे सोते समय जागेश्वर की हत्या तकिया से गला दबाकर करने की बात कबूल कर ली। किसी को शक ना हो इसलिए अपने दामाद भरत चौधरी को मृत जागेश्वर को उपचार के लिए अस्पताल भी भेज दिया था।

पीएफ की 40 लाख की राशि हड़प ली थी, पेंशन पर थी नजर

मूलतः भुसावल महाराष्ट्र निवासी प्रेमलता को वर्ष-1999 में अपने पिता के स्थान पर रानी कमलापति रेलवे स्टेशन पर अनुकंपा नियुक्ति मिली थी। वर्ष 2010 में पति रंजीत ने प्रेमलता को तलाक दे दिया था। प्रेमलता का जागेश्वर से परिचय हो गया था। वर्ष 2015 में जागेश्वर की पत्नी किरण की मृत्यु हो गई थी। वर्ष 2018 में जागेश्वर ने प्रेमलता के साथ शादी कर ली थी। प्रेमलता के पहले पति से बेटा मुकेश और एक बेटी है। जो उसके साथ रहते थे। वर्ष 2021 में जागेश्वर कोच फैक्ट्री से सेवानिवृत्त हुए तो उन्हें पीएफ की 40 लाख की राशि मिली। उस राशि से प्रेमलता ने शिव नगर फेस-तीन में अपने नाम पर मकान बना लिया था। एक कार भी खरीद ली थी। पिता को मिले पैसों पर उसके बच्चे अपना हक मांगने लगे थे। जिसके चलते प्रेमलता और उसके बेटे ने मिलकर जागेश्वर की पेंशन की राशि हड़पने के उद्देश्य से हत्या कर दी थी।

सम्पादकीय

हंसती हुई मनुष्यता को ही स्वीकार हो सकते हैं कृष्ण

देश ने और सभी अवतारों को आंशिक अवतार कहा है, कृष्ण को पूर्ण अवतार कहा है। राम भी अंश ही हैं परमात्मा के, लेकिन कृष्ण पूरे ही परमात्मा हैं। और यह कहने का, यह सोचने का, ऐसा समझने का कारण है। और वह कारण यह है कि कृष्ण ने सभी कुछ आत्मसात कर लिया है।

कृष्ण का व्यक्तित्व बहुत अनूठा है। अनूठेपन की पहली बात तो यह है कि कृष्ण हुए तो अतीत में, लेकिन हैं भविष्य के। ओशो कहते हैं कि अभी भी कृष्ण मनुष्य की समझ से बाहर हैं। भविष्य में ही यह संभव हो पाएगा कि कृष्ण को हम समझ पाएं। इसके कुछ कारण हैं। सबसे बड़ा कारण तो यह है कि कृष्ण अकेले ही ऐसे व्यक्ति हैं जो धर्म की परम गहराइयों और ऊंचाइयों पर होकर भी गंभीर नहीं हैं, उदास नहीं हैं, रोते हुए नहीं हैं। कृष्ण अकेले ही नाचते हुए व्यक्ति हैं। हंसते हुए, गीत गाते हुए। अतीत का सारा धर्म दुखवादी था। कृष्ण को छोड़ दें तो अतीत का सारा धर्म उदास, आंसुओं से भरा हुआ था। हंसता हुआ धर्म मर गया है और पुराना ईश्वर, जिसे हम अब तक ईश्वर समझते थे, जो हमारी धारणा थी ईश्वर की, वह भी मर गई है। जीसस के संबंध में कहा जाता है कि वे कभी हंसे नहीं। शायद जीसस का यह उदास व्यक्तित्व और सूली पर लटका हुआ उनका शरीर ही हम दुखी-चित्त लोगों के बहुत आकर्षण का कारण बन गया। महावीर या बुद्ध बहुत गहरे अर्थों में इस जीवन के विरोधी हैं। कोई और जीवन है परलोक में, कोई मोक्ष है, उसके पक्षपाती हैं। समस्त धर्मों ने दो हिस्से कर रखे हैं जीवन के-एक वह जो स्वीकार योग्य है और एक वह जो इनकार के योग्य है। कृष्ण अकेले ही इस समग्र जीवन को पूरा स्वीकार कर लेते हैं। जीवन की समग्रता की स्वीकृति उनके व्यक्तित्व में फलित हुई है। इसलिए, इस देश ने और सभी अवतारों को आंशिक अवतार कहा है, कृष्ण को पूर्ण अवतार कहा है। राम भी अंश ही हैं परमात्मा के, लेकिन कृष्ण पूरे ही परमात्मा हैं। और यह कहने का, यह सोचने का, ऐसा समझने का कारण है। और वह कारण यह है कि कृष्ण ने सभी कुछ आत्मसात कर लिया है। अल्बर्ट श्वीत्जर ने भारतीय धर्म की आलोचना में एक बड़ी कीमती बात कही है, और वह यह कि भारत का धर्म जीवन-निषेधक, लाइफ निगेटिव है। यह बात बहुत दूर तक सच है, यदि कृष्ण को भुला दिया जाए। और यदि कृष्ण को भी विचार में लिया जाए तो यह बात एकदम ही गलत हो जाती है और श्वीत्जर यदि कृष्ण को समझते तो ऐसी बात न कह पाते। लेकिन कृष्ण की कोई व्यापक छाया भी हमारे चित्त पर नहीं पड़ी है। वे अकेले दुख के एक महासागर में नाचते हुए एक छोटे-से द्वीप हैं। या ऐसा हम समझें कि उदास, निषेध,दमन और निंदा के बड़े मरुस्थल में एक बहुत छोटे-से नाचते हुए मरूद्यान हैं। कृष्ण अकेले हैं जो शरीर को उसकी समस्तता में स्वीकार कर लेते हैं, उसकी टोटलिटी में। यह एक आयाम में नहीं, सभी आयाम में सच है। शायद कृष्ण को छोड़कर...कृष्ण को छोड़कर, और पूरे मनुष्यता के इतिहास में जरथ्रुष्ट एक दूसरा आदमी है, जिसके बाबत यह कहा जाता है कि वह जन्म लेते से हंसा। सभी बच्चे रोते हैं। एक बच्चा सिर्फ मनुष्य-जाति के इतिहास में जन्म लेकर हंसा। यह सूचक है। यह सूचक है इस बात का कि अभी हंसती हुई मनुष्यता पैदा नहीं हो पाई। और कृष्ण तो हंसती हुई मनुष्यता को ही स्वीकार हो सकते हैं। इसलिए कृष्ण का बहुत भविष्य है। फ्रायड-पूर्व धर्म की जो दुनिया थी, वह फ्रायड-पश्चात नहीं हो सकती है। एक बड़ी क्रांति घटित हो गई है, और एक बड़ी दरार पड़ गई है मनुष्य की चेतना में। पुराना धर्म सिखाता था आदमी को दमन और सप्रेशन। तभी आत्मा उपलब्ध होगी और तभी परमात्मा उपलब्ध होगा। फ्रायड के साथ ही एक नई चेतना का जन्म हुआ और वह यह कि दमन गलत है। और दमन मनुष्य को आत्महिंसा में डाल देता है। कृष्ण, फ्रायड के बाद जो चेतना का जन्म हुआ है, जो समझ आई है, उस समझ के लिए कृष्ण ही अकेले हैं जो सार्थक मालूम पड़ सकते हैं क्योंकि पुराने मनुष्य जाति के इतिहास में कृष्ण अकेले हैं जो दमनवादी नहीं हैं। वे जीवन के सब रंगों को स्वीकार कर लिए हैं। वे प्रेम से भागते नहीं। वे पुरुष होकर स्त्री से पलायन नहीं करते। वे परमात्मा को अनुभव करते हुए युद्ध से विमुख नहीं होते। वे करुणा और प्रेम से भरे होते हुए भी युद्ध में लड़ने की सामर्थ्य रखते हैं। अहिंसक-चित्त है उनका, फिर भी हिंसा के ठेठ दावानल में उतर जाते हैं। अमृत की स्वीकृति हैं उन्हें, लेकिन जहर से कोई भय भी नहीं है। नीत्शे का एक बहुत कीमती वचन है। नीत्शे ने कहा है कि जिस वृक्ष को आकाश की ऊंचाई छूनी हो, उसे अपनी जड़ें पाताल की गहराई तक पहुंचानी पड़ती हैं। और अगर कोई वृक्ष अपनी जड़ों को पाताल तक पहुंचाने से डरता है, तो उसे आकाश तक पहुंचने की आकांक्षा भी छोड़ देनी पड़ती है। असल में जितनी ऊंचाई, उतने ही गहरे भी जाना पड़ता है। मनुष्य के मन ने सदा चाहा कि वह चुनाव कर ले। उसने चाहा कि स्वर्ग को बचा ले और नर्क को छोड़ दे। उसने चाहा कि शांति को बचा ले, तनाव को छोड़ दे। उसने चाहा शुभ को बचा ले, अशुभ को छोड़ दे। उसने चाहा प्रकाश ही प्रकाश रहे, अंधकार न रह जाए। मनुष्य के मन ने अस्तित्व को दो हिस्सों में तोड़कर एक हिस्से का चुनाव किया और दूसरे का इनकार किया। इससे द्वंद्व पैदा हुआ, इससे द्वैत हुआ। कृष्ण दोनों को एक-साथ स्वीकार करने के प्रतीक हैं। जो दोनों को एक-साथ स्वीकार करता है, वही पूर्ण हो सकता है। कृष्ण मानव चेतना की संपूर्णता का प्रतीक है... उसके संपूर्ण व्यक्तित्व का तरल प्रतिबिंब।

कौन माप सका राधा-कृष्ण प्रेम की ऊंचाई और गहराई ?

प्रेमी-प्रेमिका का एक हो जाना या एक होने की चाह प्रेम नहीं है। यह शरीर से पास होने की कामना है। इसमें दोनों की आत्मा के एक होने से ज्यादा और अन्य कई आकर्षण होते हैं। ऐसे में आत्मा का एक होना बहुत दूर की बात हो जाती है। शरीर के तौर पर यदि प्रेमी-प्रेमिका एक साथ रहने भी लगे तो यहां एक-दूसरे पर वर्चस्व स्थापित करने की होड़ होती है। या फिर कोई एक गुलाम और कोई एक शासक होता है। इसलिए सामान्य मनुष्य जिस प्रेम की बात करता है, वह प्रेम है ही नहीं। वह सिर्फ आकर्षण है। वह भौतिक है। वह अलौकिक नहीं। दरअसल सच्चा प्रेम अलौकिक होता है। इसमें कोई मालिक नहीं होता। इस सच्चे और अलौकिक प्रेम की न तो ऊंचाई मापी जा सकती है और न गहराई। राधा और कृष्ण के जरिये हमारे पूर्वजों ने हमें सच्चे प्रेम की ही शिक्षा दी है। इसी गहरे प्रेम को आज हम इस प्रसंग के साथ अनुभव करेंगे।

श्री राधा के जन्म के बारे में कहा जाता है कि उन्होंने अपनी मां कीर्ति की कोख से जन्म नहीं लिया,बल्कि वे पिता वृषभानु और मां कीर्ति के यहां नवजात बालिका के रूप में प्रकट हुईं। वृषभानु और कीर्ति के लिए यह चमत्कारी और आनंद की घटना थी, लेकिन श्री राधा के प्राकट्य के साथ ही उन्हें उसके स्वास्थ्य की चिंता भी होने लगी थी। बात यह थी कि प्राकट्य के साथ राधा ने आंखें नहीं खोली थीं। वह बड़ी होती गई। दो साल से ज्यादा की हो गई,लेकिन आंखें बंद ही थीं।

माता-पिता ने कई उपाय किए। बड़े बड़े वैद्यों को दिखाया, लेकिन राधा ने आंखें नहीं खोली। माता पिता की चिंता बढ़ती जा रही थी। तभी एक दिन मां यशोदा नन्हे कान्हा को गोद में लेकर कीर्ति के घर पहुंचीं। कीर्ति और वृषभानु ने उनका स्वागत-सत्कार किया। मां यशोदा कान्हा को लेकर कीर्ति के पास गईं। कीर्ति की गोद में राधा थीं। इस तरह नन्हे कृष्ण और राधा आमने सामने हुए तो राधा ने आंखें खोल दीं और अपलक कृष्ण को देखती रही। कृष्ण भी मुस्कुराने लगे।

यह घटना देख कीर्ति और वृषभानु हतप्रभ रह गए। ऐसा लग रहा था जैसे राधा ने सोच रखा था कि वे पहली बार कान्हा के सामने ही आंखें खोलेंगी और सच भी यही था। राधा कृष्ण को देखती रही...देखती रही और कृष्ण उसकी आंखों में उतरते रहे...उतरते रहे। राधा की आंखों में कृष्ण और कृष्ण की आंखों में राधा बस गई।

सच कहूं तो श्री कृष्ण को तो व्याख्याकारों ने परिभाषित करने की कोशिश की है, लेकिन राधा के बारे में कहा जाता है कि उसे ब्रह्म भी परिभाषित नहीं कर सकते।

कृष्ण राधा से पूछते हैं कि भागवत में तुम्हारी क्या भूमिका होगी? तब राधा कहती हैं कि मैं तुम्हारी छाया बनकर रहना चाहती हूं। कृष्ण के हर सृजन की पृष्ठभूमि में वही छाया है।

कृष्ण के सामने ही राधा का जन्म के बाद पहली बार आंखें खोलना और कृष्ण को निहारना यह राधा-कृष्ण का पहला मिलन था। दोनों के बीच यह प्रेम हर पल और जीवनभर रहा। भले ही दोनों साथ नहीं रहे, लेकिन दोनों के बीच यह प्रेम तब भी था जब वे धरा पर थे और अब भी अनवरत हम उस प्रेम को स्वीकार करते हैं, जब दोनों धरा पर नहीं हैं। दोनों के रिश्ते की यही सबसे बड़ी खूबसूरती है। कृष्ण को बांसुरी और राधा ये ही सबसे ज्यादा प्रिय थे। दोनों को ही कृष्ण से अलग होना पड़ा, लेकिन प्रेम अटूट रहा।

भगवान श्रीकृष्ण से राधा तब अलग हुईं, जब मामा कंस ने बलराम और कृष्ण को मथुरा आमंत्रित किया। राधा और कृष्ण जब आखिरी बार मिले थे तो राधा ने कृष्ण से कहा था कि भले ही वो उनसे दूर जा रहे हैं, लेकिन मन से कृष्ण हमेशा उनके साथ ही रहेंगे। इसके बाद कृष्ण मथुरा गए और कंस का वध किया। इसके बाद प्रजा की रक्षा के लिए कृष्ण द्वारका चले गए और द्वारकाधीश के नाम से लोकप्रिय हुए। जब कृष्ण वृंदावन से निकल गए, तब राधा की जिंदगी ने अलग ही मोड़ ले लिया था। राधा की शादी एक गोप रायाण से हुई। राधा ने अपने दांपत्य जीवन की सारी रस्में निभाईं और बूढ़ी हुईं। पति रायाण के निधन के बाद विधवा हुईं, लेकिन उनका मन कृष्ण के लिए समर्पित था। यहां प्रश्न उठ सकता है कि पति रयाण और मन कृष्ण के प्रति समर्पित कैसे? तो यही इस प्रेम की विलक्षणता है। यह प्रेम दैहिक था ही नहीं। राधा और कृष्ण का शारीरिक स्पर्श भी तब पहली बार हुआ जब कृष्ण मथुरा जा रहे थे। तब राधा ने उनके चरणों को स्पर्श किया था। यही पहला और आखिरी स्पर्श था।

अब चलते हैं श्रीकृष्ण मृत्यु प्रसंग पर। यह प्रसंग मुझे सबसे ज्यादा आकर्षित करता है। इसलिए नहीं कि यह भगवान कृष्ण की मृत्यु, उनके वंश के अंत और द्वारिका के जलमग्न होने का प्रसंग है, बल्कि इसलिए कि यह राधा-कृष्ण के प्रेम को अनंत ऊंचाई पर ले जाता है। भगवान अपने अंत समय में सिर्फ राधा को याद करते हैं। ऐसा नहीं है कि विछोह के बाद राधा उन्हें कभी याद न आईं हों। वे याद तो करते होंगे,लेकिन अपनी भावना कभी व्यक्त नहीं की। वह अंत समय ही था जब राधा का नाम उनके मुख पर था। अंत समय में मनुष्य हो या अवतार अपने सबसे प्रिय व्यक्ति को ही याद करता है। कृष्ण की मृत्यु के साथ ही राधा कृष्ण के प्रेम का एक और आयाम देखने को मिलता है, जो अलौकिक है।

द्वारिका के जंगल में शिकारी का तीर जब भगवान कृष्ण के तलवे में लगा और वे मरणासन्न हो गए तब अर्जुन को बुलाया गया। अर्जुन जैसे ही कृष्ण के पास पहुंचे और कृष्ण का सिर अपनी गोद में लिया वैसे ही कृष्ण ने अपनी चिंता उनसे साझा की। कृष्ण ने कहा कि मेरी मृत्यु की सूचना राधा को देनी होगी। सवाल यह था कि राधा को यह खबर देने की हिम्मत कौन करेगा। कौन जाएगा यह दुखद समाचार देने राधा के पास। काफी विमर्श के बाद उद्धव का नाम तय हुआ। उद्धव ही वह व्यक्ति थे जो बहुत पहले कृष्ण की चिट्ठी लेकर राधा और अन्य गोपियों के पास जा चुके थे।

अंततः राधा का नाम लेते हुए कृष्ण ने देह त्यागी और उद्धव को राधा के पास भेजा गया।

उद्धव चल पड़े। वे दुखी थे, विचलित थे और चिंतित भी। चिंतित इसलिए कि राधा को सबसे दुखद समाचार देना था। वे खुद को इसके लिए तैयार कर रहे थे। पूरे रास्ते वे हिम्मत जुटाते रहे। उद्धव को पता था राधा रायाण गोप की पत्नी है। रायाण ने महाभारत का युद्ध कौरवों की ओर से लड़ा था। रायाण की मृत्यु हो चुकी है। राधा विधवा का जीवन व्यतीत कर रही है। वह वृद्ध हो चुकी होगी। उद्धव यह सब सोचते सोचते राधा के गांव पहुंचे।

राधा के घर का पता पूछते हुए जब वे राधा रानी के घर पहुंचे तो राधा घर पर नहीं थीं। राधा की सास ने कहा वह अभी आती ही होगी। आप बैठिए।

थोड़ी देर बाद राधा का आना हुआ। उद्धव उसे देखकर चकित रह गए। एकदम नवयौवना राधा। विधवा के सफेद वस्त्र नहीं। सुहागन की तरह पूरा श्रृंगार। बहुत पहले कृष्ण की चिट्ठी लेकर आए थे उद्धव तब जैसी थी राधा बिलकुल वैसी की वैसी अब भी।

राधा उद्धव को पहचान नहीं पाई। वृद्ध हो चुके थे उद्धव। उद्धव ने परिचय दिया। उन्होंने राधा से प्रश्न किया कि तुम पर उम्र का असर क्यों नहीं?

राधा ने बताया जब कृष्ण हमें छोड़कर जा रहे थे तब मैंने उनके पैर छुए। वह मेरा कृष्ण को पहला स्पर्श था। वह स्पर्श इतना अलौकिक था कि समय मेरे लिए थम सा गया। कृष्ण जा चुके थे, लेकिन आज भी वे मेरे पास हैं। उनके चरणों का स्पर्श अभी भी मैं अनुभव करती हूं।

तब उद्धव ने कहा कृष्ण की मृत्यु हो चुकी है।अब वे हमारे साथ नहीं हैं। तब राधा जोर से हंसी और प्रश्न किया कृष्ण की मृत्यु? उद्धव चकित रह गए। उन्होंने उसे कृष्ण की मृत्यु का विश्वास दिलाने की कोशिश की, लेकिन

राधा ने उद्धव से कहा देखो मेरे चेहरे को गौर से देखो। उद्धव ने राधा के चेहरे को देखा तो उन्हें कृष्ण का चेहरा नजर आया।

यूक्रेन-रूस संघर्ष-और समाधान में भारत की भूमिका

यूक्रेन और रूस के बीच चल रहा संघर्ष न केवल यूरोप, बल्कि वैश्विक स्थिरता के लिए भी गंभीर खतरा बन चुका है। इस विवाद ने अंतर्राष्ट्रीय संबंधों को उलझा दिया है और शीत युद्ध के बाद से सबसे बड़े भू-राजनीतिक संकट को जन्म दिया है। इस स्थिति में, भारत का संभावित भूमिका निभाना अत्यंत महत्वपूर्ण हो सकता है। एक तटस्थ और विश्वसनीय मध्यस्थ के रूप में भारत की स्थिति इस संघर्ष को शांतिपूर्ण तरीके से सुलझाने में सहायक हो सकती है। भारत का रूस और यूक्रेन दोनों के साथ ऐतिहासिक और कूटनीतिक संबंध हैं। रूस के साथ भारत के दशकों पुराने घनिष्ठ संबंध रहे हैं, जो शीत युद्ध के समय से ही मजबूत हैं। रक्षा, ऊर्जा, और अंतरिक्ष जैसे क्षेत्रों में दोनों देशों के बीच गहरा सहयोग है। दूसरी ओर, भारत और यूक्रेन के बीच भी अच्छे संबंध रहे हैं, विशेषकर रक्षा और कृषि के क्षेत्र में। इन संबंधों ने भारत को इस विवाद में एक संतुलित दृष्टिकोण रखने की अनुमति दी है। भारत ने अब तक यूक्रेन-रूस विवाद में तटस्थता बनाए रखी है, जो उसकी कूटनीति की प्रमुखता को दर्शाता है। भारत ने संघर्ष के दौरान किसी भी पक्ष का सीधा समर्थन नहीं किया है, जो उसे एक विश्वसनीय मध्यस्थ के रूप में प्रस्तुत करता है। भारत ने संयुक्त राष्ट्र में भी संतुलित रुख अपनाया है, जिससे यह स्पष्ट हो गया है कि भारत संघर्ष को बढ़ाने के बजाय शांति स्थापना में विश्वास रखता है। भारत एक उभरती हुई वैश्विक शक्ति है, और उसकी आवाज़ अब अंतर्राष्ट्रीय मंच पर अधिक महत्व रखती है। भारत का आर्थिक और सैन्य विकास, साथ ही उसकी कूटनीतिक क्षमता, उसे वैश्विक शांति और स्थिरता के लिए महत्वपूर्ण बनाती है। भारत ने पहले भी अपने शांतिपूर्ण और मध्यस्थ दृष्टिकोण से वैश्विक संकटों में योगदान दिया है, जैसे कि गुटनिरपेक्ष आंदोलन और हाल ही में अफ़ग़ानिस्तान के मामले में।

रूस और यूक्रेन के बीच इस विवाद ने अमेरिका और यूरोप के साथ रूस के संबंधों को और अधिक जटिल बना दिया है। भारत, जो अमेरिकी और यूरोपीय देशों के साथ भी अच्छे संबंध रखता है, इस विवाद में एक संतुलित और तटस्थ दृष्टिकोण प्रस्तुत कर सकता है। भारत के इस संतुलन को बनाए रखते हुए समाधान की दिशा में प्रयास करना सभी संबंधित पक्षों के लिए लाभकारी हो सकता है। भारत की भूमिका कई रूपों में हो सकती है। सबसे पहले, भारत शांति वार्ता के लिए एक मंच प्रदान कर सकता है। भारत की तटस्थता और प्रतिष्ठा उसे एक विश्वसनीय मध्यस्थ के रूप में प्रस्तुत करती है। दूसरे, भारत रूस पर अपने प्रभाव का उपयोग करके उसे वार्ता की मेज पर ला सकता है, जबकि यूक्रेन के साथ भी संचार बनाए रख सकता है। तीसरे, भारत अन्य प्रमुख शक्तियों के साथ मिलकर एक बहुपक्षीय समाधान का प्रस्ताव रख सकता है, जो संघर्ष के दोनों पक्षों की सुरक्षा और संप्रभुता की गारंटी दे। इस संघर्ष को सुलझाने में भारत की सक्रिय भागीदारी उसके वैश्विक प्रभाव को और मजबूत करेगी। यह न केवल भारत की वैश्विक स्थिति को ऊंचा उठाएगा, बल्कि यह भी सुनिश्चित करेगा कि भारत एक जिम्मेदार वैश्विक शक्ति के रूप में उभर रहा है। इसके अलावा, यह भारत के लिए पश्चिम और रूस के साथ अपने संबंधों को और अधिक संतुलित करने का अवसर भी प्रदान करेगा।

यूक्रेन-रूस संघर्ष को सुलझाने में भारत की संभावित भूमिका न केवल क्षेत्रीय बल्कि वैश्विक स्थिरता के लिए भी महत्वपूर्ण हो सकती है। एक तटस्थ, विश्वसनीय, और सम्मानित शक्ति के रूप में, भारत इस विवाद को शांतिपूर्ण समाधान की दिशा में ले जाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा सकता है। यह समय है कि भारत अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर अपने कूटनीतिक कौशल का उपयोग करे और इस संघर्ष को समाप्त करने के लिए एक रचनात्मक योगदान दे।

(राजीव खरे)

(लेखक नवीकरणीय ऊर्जा परियोजनाओं के विशेषज्ञ एवं नक्सल समस्या के जानकार हैं एवं इंडियन कौंसिल आफ प्रेस की छत्तीसगढ़ शाखा के अध्यक्ष हैं)

सत्यवती कैसे बनीं मत्स्यगंधा से योजनगंधा ? संस्कृति के पन्नों से जानें पूरी कहानी

चेदि नरेश वसु की मैत्री देवराज इंद्र से थी। वसु इंद्र द्वारा दिए स्फटिक निर्मित विमान से आकाश में भ्रमण करता था। सदा ऊपर ही ऊपर चलने के कारण वह 'उपरिचर वसु' के नाम से विख्यात हुआ। उपरिचर की राजधानी के निकट शुक्तिमती नदी बहती थी। एक दिन कोलाहल नामक पर्वत ने नदी का मार्ग रोक लिया। वसु ने पैर के प्रहार से पर्वत में दरार डाल दी और नदी का मार्ग खोल दिया। पर्वत और नदी के योग से जुड़वां संतानें पैदा हुईं, जिन्हें नदी ने राजा वसु को भेंट कर दिया। वसु ने पुत्र को अपना सेनापति बनाया और गिरिका नामक कन्या से विवाह कर लिया। एक दिन राजा वसु आखेट पर गया था। वहां उसे सहसा गिरिका की याद आई और वह कामासक्त हो गया। फिर वसु का वीर्य स्खलित हो गया। वीर्य और गिरिका का ऋतुकाल व्यर्थ न जाए, यह सोचकर राजा वसु ने वीर्य को एक पत्ते पर उठाया और उसे पुत्रोत्पत्ति मंत्र से अभिमंत्रित करके एक बाज को सौंपते हुए कहा कि वह वीर्य को उसकी पत्नी गिरिका तक पहुंचा दे। मार्ग में एक अन्य बाज ने वीर्य ले जा रहे बाज पर मांस की संभावना से आक्रमण कर दिया। इसी छीना-झपटी में वसु का वीर्य नदी में गिर गया। नदी में अद्रिका नाम की एक अप्सरा ब्रह्मा के शाप से मछली बनकर अपना समय काट रही थी। वसु का वीर्य अद्रिका ने ग्रहण कर लिया और वह गर्भवती हो गई। संयोग से दसवें माह में गर्भवती अद्रिका एक मछुआरे के जाल में फंस गई। मछुआरे ने जैसे ही मछली का पेट चीरा, तो भीतर से दो बच्चे-एक कन्या और एक बालक निकला। इसी के साथ अप्सरा अद्रिका, ब्रह्मा के शाप से मुक्त हो गई। फिर वह मछुआरा, मछली से उत्पन्न दोनों बच्चों को राजा वसु के पास लेकर गया। राजा उपरिचर ने बालक को अपने पास रख लिया, जो बाद में मत्स्य नाम का धर्मात्मा राजा हुआ। और वसु ने कन्या, मछुआरे को ही सौंप दी। वह कन्या रूप, सत्य एवं अन्य समस्त गुणों से युक्त थी, इसलिए उसका नाम 'सत्यवती' रखा गया। चूंकि सत्यवती का जन्म मछली से हुआ था, तो उसके शरीर से मछली की गंध आती थी। इसलिए उसका एक नाम मत्स्यगंधा पड़ गया।

क्या सिर्फ रिपोर्ट से शोषण रुकेगा पिछले अनुभव करते हैं निराश

पिछले कुछ दिनों से मलयालम फिल्म उद्योग चर्चा में है। इसका कारण है वहां के फिल्म उद्योग में महिलाओं की स्थिति की पड़ताल के लिए बनाई गई जस्टिस हेमा कमेटी की रिपोर्ट। वर्ष 2017 में एक मशहूर अभिनेत्री ने अभिनेता और फिल्मकार दिलीप पर दुष्कर्म का आरोप लगाया था। तब इस पर केरल में काफी हो-हल्ला हुआ था, तो सरकार ने यह कमेटी बनाई थी। लेकिन 2019 में कमेटी द्वारा रिपोर्ट सौंपने के बाद भी सरकार ने उसे जारी नहीं किया था। सरकार ने इसका कारण बताया कि इससे उन महिलाओं की निजता का हनन होगा, जिन्होंने इस कमेटी के सामने आकर अपनी बातें कहीं।केरल उच्च न्यायालय के आदेश के बाद जब अंततः बीते 19 अगस्त को सरकार द्वारा इसे जारी किया गया, तभी से वहां राजनीतिक भूचाल आ गया है। इस रिपोर्ट का वुमेन ऐंड सिनेमा कलेक्टिव ने स्वागत किया है। इस संगठन ने कहा है कि इतिहास में यह पहली बार है, जब हमारे पास एक ऐसी रिपोर्ट है, जो बताती है कि फिल्मी दुनिया में लैंगिक असमानता कितनी ज्यादा है। मलयाली फिल्मों में काम करने वाली अभिनेत्रियां किस तरह शोषण का शिकार होती हैं, इसकी कहानी जैसे रिपोर्ट का हर पृष्ठ कहता है। इसमें बताया गया है कि जैसे ही कोई स्त्री मलयालम फिल्मों की दुनिया में प्रवेश करती है, सबसे पहले काम देने के बदले उससे सेक्सुअल फेवर की मांग की जाती है। यदि वह ऐसा करने से मना करती हैं, तो उसे कहीं काम नहीं मिलता। इसके अलावा, ठहरने के लिए अलग से कमरा, शौचालय की सुविधा, आने-जाने की व्यवस्था और सुरक्षित वातावरण जैसी मामूली सुविधाएं भी नहीं मिलतीं। कार्यस्थल पर स्त्रियों से अश्लील बातें करना, समय पर पैसे न देना, दिए भी तो आधे-अधूरे पैसे देना, शिकायतों के लिए किसी संस्था का न होना आदि ऐसी बातें हैं, जो स्त्रियों ने हेमा कमेटी के सामने बताई थीं। जिन अभिनेत्रियों ने जस्टिस हेमा कमेटी के सामने बयान दिए, उन्हें तरह-तरह से प्रताड़ित किया गया। बत्तीस साल की एक अभिनेत्री ने बताया कि जब वह जस्टिस हेमा कमेटी के सामने बयान देने गई, और खुलकर अपनी बातें रखीं, तो उसे काम मिलना बंद हो गया और उसे फिल्मी दुनिया को छोड़ना पड़ा। आज वह एक मामूली-सी नौकरी करती है। ऐसे ही अनुभव वुमेन सिनेमा कलेक्टिव से जुड़ी बहुत-सी अभिनेत्रियों और तकनीकी क्षेत्र की विशेषज्ञ महिलाओं के हैं। इनमें से अधिकांश का कहना है कि चूंकि उन्होंने काम की खराब परिस्थितियों के बारे में बोला है, इसलिए उन्हें परेशानी पैदा करने वाली महिला बताया जाता है। कहा जाता है कि वे उन समस्याओं के बारे में बता रही हैं, जो मलयालम फिल्मोद्योग में हैं ही नहीं। जबकि तमाम भुक्त-भोगियों का कहना है कि यह उद्योग लैंगिक भेदभाव के मामले में बहुत निचले पायदान पर है।

देवबंद के मेपल्स एकेडमी प्रांगण में बडे हर्षोल्लास के साथ मनाया गया श्रीकृष्ण जन्माष्टमी उत्सव

के.जी. विंग के नन्हें-मुन्नें बच्चें कृष्ण व राधा की तरह सजकर विद्यालय आए और उनसे विभिन्न प्रकार की गतिविधियां कराई गई

गौरव सिंघल । सिटी चीफ
सहारनपुर । देवबंद, मेपल्स एकेडमी के प्रांगण में श्रीकृष्ण जन्माष्टमी पर्व के अवसर पर विभिन्न गतिविधियों का आयोजन किया गया। जिसमें के.जी. विंग के नन्हें-मुन्नें बच्चें कृष्ण व राधा की तरह सजकर विद्यालय आए और उनसे विभिन्न प्रकार की गतिविधियां कराई गई। जिसमें सभी बच्चों ने मनमोहक सांस्कृतिक कार्यक्रम प्रस्तुत किए। कक्षा 3 से 5 तक के विद्यार्थियों में इंटर हाऊस लघु नाटिका आयोजित की गई। जिसमें श्रीकृष्ण से जुड़ी घटनाओं को दर्शाया गया। कक्षा 6 से 11 तक के विद्यार्थियों द्वारा श्रीकृष्ण जीवन के विभिन्न रूपों पर अपने-अपने विचार प्रस्तुत किए गए। सभी विद्यार्थियों ने अपनी-अपनी प्रतिभा का परिचय देते हुए श्रीकृष्ण लीला को आत्मसात किया। इसी बीच विद्यार्थियों द्वारा बांसुरी, मटकी, मुकुट डेकॉरेशन एवं मोजेक आर्ट में विभिन्न प्रतियोगिताएं भी कराई गई। जिसमें सभी विद्यार्थियों ने बढ़-चढकर हिस्सा लिया। विद्यालय की प्रधानाचार्या डॉ0 चित्रा जोशी सभी को श्रीकृष्ण जन्मोत्सव की बधाई देते हुए कहा कि त्योहार हमारी जिंदगी में खुशियों की सौगात लेकर आते है और हमें हमारी संस्कृति से जोड़कर रखते है। हमें इन्हें बड़े ही उत्साह के साथ मनाना चाहिए। उन्होंने विद्यार्थियों की उत्साहपूर्ण भागीदारी की सराहना करते हुए उन्हें प्रोत्साहित किया। इस अवसर पर नीलम सिंघल, विश्वास त्यागी, मीनू सिंघल लवि त्यागी, सारिका गोयल, पायल मित्तल, अरसला नाज, प्रीति कोहली, प्रवेश त्यागी सहित विद्यालय का समस्त स्टॉफ मौजूद रहा।

सिंधली नदी के पुनर्जीवन का अभियान हुआ शुरू

अतिक्रमण हटाया जा रहा है, जिले की बेहद प्रदूषित कृष्णा नदी, हिंडन, काली नदी और ढमोला को पुराने स्वरूप में लौटाया जाएगा : जिलाधिकारी मनीष बंसल

गौरव सिंघल । सिटी चीफ
सहारनपुर, सहारनपुर जिले की सभी प्रमुख नदियां कृष्णा, काली, हिंडन और ढमोला सभी का पानी बेहद प्रदूषित हो गया है। ये नदियां करीब- करीब मृत हो गई हैं और उनका पानी इस लायक नहीं बचा है कि जल जीव का अस्तित्व बना रह सके। सहारनपुर के नए जिलाधिकारी मनीष बंसल जिन्होंने संभल जनपद में बतौर डीएम 130 किलोमीटर लंबी मृत हो गई सोती नदी को पुनर्जीवित कर प्रतिष्ठा अर्जित की है तो उन्होंने यहां की नदियों को पुनर्जीवित करने के एनजीटी के निर्देशों का संज्ञान लेते हुए अलग-अलग नदी के लिए कार्य योजना तैयार की है और विशेषज्ञों एवं जल प्रबंधन के माहिरों से बातचीत की है। उन्होंने पर्यावरणविदों को भरोसा दिया है कि सभी संभव संसाधनों और तकनीक एवं जन सहयोग के जरिए सहारनपुर की सभी प्रमुख मृत एवं विषैली हो गई नदियों में पुनर्जीवन लौटाने के हर भरसक प्रयास करेंगे। उन्होंने आज बताया कि एसडीएम नकुड़ संगीता राघव की अगुवाई में राजस्व विभाग ने नकुड़ क्षेत्र में विलुप्त हो गई 75 वर्ष पुरानी सिंधली नदी के क्षेत्र से अतिक्रमण हटाने का अभियान शुरू कर दिया है। जिले की ये सभी नदियां यमुना की सहायक नदियां हैं और तीन दशक पहले तक उनमें पर्याप्त जलप्रवाह था और पानी भी साफ और स्वच्छ था। जल जीव प्रवास करते आंखों से दिखते थे और उनके पानी से आसपास के खेतों की अच्छी सिंचाई होती थी। लेकिन जलवायु परिवर्तन के चलते हिमालय की पहाड़ियों पर ग्लेशियर का आकार सिकुड़ गया है। प्रदूषण और तापमान बढ़ने से ग्लेशियर जल्दी गल रहे हैं जिससे इन नदियों में उनकी क्षमता के मुताबिक पानी उपलब्ध नहीं होने से और इन नदियों में नालों और औद्योगिक इकाइयों का प्रदूषित पानी गिरने से वे जीवन दायिनी की अपनी पहचान खो चुकी हैं और खुद भी मर गई हैं और उनके प्रदूषित जल से उनमें रहने वाले जीव-जंतु का अस्तित्व भी संकट में है।

देवबंद क्षेत्र में छात्रों से भरी स्कूल बस पर दो बाइकों पर सवार चार-पांच हमलावरों ने की फायरिंग, बस में सवार सभी छात्र-छात्राएं सुरक्षित

बस ड्राइवर की तहरीर के आधार पर पुलिस ने मुकदमा पंजीकृत कर तीन टीम का गठन कर अभियुक्तों की तलाश शुरू की

गौरव सिंघल । सिटी चीफ
सहारनपुर । देवबंद, देवबंद क्षेत्र में स्कूल की छुट्टी के बाद बच्चों को लेकर जा रही सर्वोदय ज्ञान पब्लिक स्कूल की एक बस पर दो बाइकों पर सवार करीब चार-पांच हमलावरों ने मकबरा गांव के समीप कई राउंड फायरिंग कर दी। जिससे हड़कंप मच गया। गनीमत यह रही कि स्कूल बस में सवार सभी छात्र-छात्राएं पूर्ण रूप से सुरक्षित है किसी को कोई नुकसान नहीं पहुंचा है। एसपी देहात सागर जैन ने बताया कि देवबंद क्षेत्र में एक व्यक्ति ने अपने साथियों के साथ मिलकर स्कूल बस में सवार एक छात्र से रंजिश के चलते उसे टारगेट करते हुए स्कूली बस पर फायरिंग कर दी। गनीमत यह रही कि बस में सवार सभी छात्र-छात्राएं पूर्ण रूप से सुरक्षित है किसी को कोई चोट नहीं लगी है। उन्होंने बताया कि बस ड्राइवर की तहरीर के आधार पर पुलिस ने मुकदमा पंजीकृत कर तीन टीम का गठन कर अभियुक्तों की तलाश शुरू कर दी है। उन्होंने कहा कि घटना में जो भी अभियुक्तगण शामिल होंगे उनकी शीघ्र ही गिरफ्तारी की जाएगी। प्राप्त जानकारी के अनुसार दो बाइकों पर सवार करीब चार-पांच हमलावरों ने सर्वोदय ज्ञान पब्लिक स्कूल के छात्रों से भरी बस पर फायरिंग कर दी। हमले में सभी छात्र बाल-बाल बच गए। बस में करीब 20 विद्यार्थी सवार थे। यह घटना मकबरा गांव के समीप हुई है। बच्चों से भरी इस स्कूल बस को दो बाइकों पर सवार करीब पांच बदमाशों ने ओवरटेक कर रोकने का प्रयास किया। ड्राइवर द्वारा बस न रोकने पर बदमाशों ने फायरिंग शुरू कर दी। जिससे बस में मौजूद बच्चों में चीख-पुकार मच गई। बताया जा रहा है कि ड्राइवर हिम्मत दिखाते हुए बस को नजदीक के एक गांव दिवालहेडी में ले गया। जिसके बाद उक्त व्यक्ति मौके से फरार हो गए। पुलिस ने तहरीर के आधार पर घटना की जांच शुरू कर दी है। घटना के बाद स्कूल का बस ड्राइवर रवि कुमार स्कूल प्रबंधन के साथ देवबंद कोतवाली पहुंचा और घटना के संबंध में पुलिस को तहरीर दी। पुलिस को दी तहरीर में बताया गया कि भायला कलां निवासी रवि कुमार स्टेट हाईवे-59 पर मोहल्ला सैनी सराय स्थित सर्वोदय ज्ञान पब्लिक स्कूल की बस पर चालक है। शनिवार दोपहर वह स्कूली की छुट्टी के बाद दिवालहेड़ी गांव के बच्चों को छोड़ने के लिए जा रहा था। जैसे ही वह करीब डेढ़ बजे बन्हेड़ा खास मार्ग पर गांव मकबरा के निकट पहुंचा तो बुलेट व स्प्लेंडर मोटर साइकिल पर सवार करीब पांच हमलावरो ने बस को रोकवाने का प्रयास किया। जब उसने बस नहीं रोकी तो बाइक सवार बदमाशों ने बस के ऊपर फायरिंग शुरू कर दी। एक गोली बस के बोनेट पर लगी और दो गोलियां बस की बॉडी में आगे और पीछे की तरफ लगी। जिससे बस में मौजूद बच्चों में दहशत फैल गई और बच्चों में चीख पुकार मच गई। उसने तुरंत स्कूल बस को तेजी से भगाते हुए गांव दिवालहेड़ी की तरफ मोड़ दिया। जिसके बाद बाइक सवार बदमाश मौके से फरार हो गए। देवबंद कोतवाली प्रभारी संजीव कुमार ने बताया कि घटना के संबंध में जांच शुरू कर दी गई है। माना जा रहा है कि किसी रंजिश के चलते उक्त घटना को अंजाम दिया गया है। सभी पहलुओं पर जांच की जा रही है। घटना में जो भी अभियुक्तगण शामिल होंगे उनको शीघ्र ही गिरफ्तार कर लिया जाएगा।

107 यात्रियों ने की बाबा बुढ़ा अमरनाथ चट्टानी की यात्रा : वापस लौटने पर किया आयोजन

चंदपुरी में जलाभिषेक, पंचकुंडीय महायज्ञ,आरती, महाप्रसादी का हुआ आयोजन

शरद धनेश्वर । सिटी चीफ
बालाघाट, जनपद पंचायत अंतर्गत आने वाले ग्राम चंदपुरी में 2005 से प्रतिवर्षानुसार इस वर्ष भी बाबा बुढ़ा अमरनाथ चट्टानी साहसिक शौर्य यात्रा 12 अगस्त 2024 को चंदपुरी से प्रारंभ हुई जहां धर्म प्रेमियों द्वारा देश के विभिन्न राज्यों में अनेक तीर्थ स्थलों का दर्शन करते हुए 23 अगस्त 2024 को 107 यात्री अपने गृह जिला बालाघाट वापस पहुंचे,इसके सफल यात्रा के पश्चात सभी बजरंगी बंधुओं एवं यात्रियों के द्वारा प्रखंड मिलन केंद्र श्रीराम दरबार ग्राम चंदपुरी में 25 अगस्त 2024 रविवार को पंचकुंडीय महायज्ञ एवं महाप्रसादी का आयोजन रखा गया। आयोजकों ने बताया कि बाबा बुढ़ा अमरनाथ चट्टानी यात्रा एवं श्रीराम दरबार (श्रीराम मंदिर) में आयोजन प्रतिवर्ष निरंतर जारी रहेंगे। उक्त धार्मिक कार्यक्रम की मीडिया को जानकारी देते हुए बजरंग दल जिला मिलन प्रमुख व धर्म प्रेमी राजू बेलवंशी ने बताया कि 25 अगस्त 2024 रविवार को प्रात: 8:00 बजे श्रीराम दरबार में जलाभिषेक एवं वस्त्र धारण श्रृंगार, 2 बजे से पंचकुंडीय महायज्ञ व 5:00 बजे महाआरती कर महाप्रसादी वितरण का आयोजन किया गया, जहां सभी भक्तों ने प्रभु श्रीराम की महाप्रसादी बड़े ही श्रध्दा भाव व आस्था के साथ ग्रहण किया एवं रात्रि 8:30 बजे से देवी जागरण का धार्मिक आयोजन रखा गया। जहां सभी धार्मिक बंधुओं भगिनियों ने रात्रि देवी जागरण का लुत्फ उठाकर धर्मलाभ अर्जित किया। उक्त कार्यक्रम में विश्व हिंदू परिषद, बजरंग दल एवं समस्त बाबा बुढ़ा अमरनाथ चट्टानी यात्रीगण एवं ग्राम चंदपुरी वासियों सहित निलजी, डोकरबंदी,बिरसोला, लवादा व क्षेत्र के समस्त सनातनी धर्मावलंबी बंधु, बुजुर्ग, बच्चे, युवा, मातृशक्ति एवं दुर्गा वाहिनी की बहनें व क्षेत्र के सभी धर्मप्रेमी बंधु, सनातन हिंदुत्व को संजोकर रखने वाले सैकड़ों समर्थक मुख्य रूप से उपस्थित रहे।

हैंडपंप से पानी भरने को लेकर हुआ विवाद, युवक की कुल्हाड़ी मारकर हत्या, आरोपी गिरफ्तार

यशपाल सिंह जाट । सिटी चीफ
अनूपपुर, जिले के कोतमा थाना क्षेत्र अंतर्गत ग्राम जर्राटोला के बोडरी गांव में 24 अगस्त की रात हैंडपंप से पानी भरने को लेकर दो परिवारों की महिलाओं के बीच चल रहे विवाद में दोनों परिवार के पुरुषों के बीच झगड़ा हुआ जिसमे एक पक्ष के लिए जानलेवा साबित हो गया। एक युवक की कुल्हाड़ी से मारकर हत्या कर दी गई। वहीं एक युवक घायल हो गया।
कोतमा थाना प्रभारी सुन्द्रेश मरावी ने बताया कि 24 अगस्त की रात मृतक दिनेश उर्फ कल्लू बैगा की बेटी के साथ पानी भरने को लेकर कुछ दिन पहले आरोपित नानदाऊ की पत्नी से झगड़ा हो गया था। शनिवार को पंचायत भवन के पास हैंडपंप से मृतक की बेटी रेखा पानी लेकर आ रही थी जहां नानदाऊ रास्ते में मिल गया था तो वह रेखा से विवाद कर बैठा। जानकारी लगने पर दिनेश उर्फ कल्लू बैगा और पुत्र दीपू दोनों नानदाऊ के घर शनिवार शाम को कुल्हाड़ी लेकर पहुंचा। इस दौरान दोनों के बीच गाली गलौज और झूमा झटकी हुई।
बताया जाता हैं कि मृतक जब कुल्हाड़ी से नानदाऊ को मारने का प्रयास किया तो आरोपित नानदाऊ ने कल्लू से कुल्हाड़ी छीन कर कल्लू के सिर पर प्रहार कर दिया जिससे दाहिने तरफ गंभीर चोट आई। इसी दौरान कल्लू का बेटा दीपू उर्फ मोहन भी नानदाऊ को झपटने लगा तो उसे भी आरोपित द्वारा कुल्हाड़ी से मारने दौड़ा तो दीपू भी घायल हो गया जिसे कोतमा अस्पताल में भर्ती कराया गया है। जबकि दिनेश उर्फ कल्लू बैगा को अस्पताल लाया गया जहां ड्यूटी डॉक्टर ने जांच उपरांत मृत घोषित कर दिया। घटना के बाद पुलिस ने आरोपित नानदाऊ बैगा को गिरफ्तार कर उसके खिलाफ मामला दर्ज कर लिया है।

अमरकंटक दक्षिण तट से पांच नर्मदा परिक्रमा पर 29 अगस्त को निकलेंगे प्रदीप पांडे उर्फ महापुरुष दंडगिरि

यशपाल सिंह जाट। सिटी चीफ
अनूपपुर, भक्तों की दुनिया में कमी नहीं है।कोई पद यात्रा से अपनी भक्ति पूरी करता है तो कोई साइकिल से पूरी करता है। अनूपपुर में लगभग 20 दिनों से शीतला माता मंदिर दक्षिण मुखी बाल हनुमान मंदिर में भक्ति में लीन 42 वर्षीय प्रदीप पांडे उर्फ महापुरुष दंडगिरि आव्हान अखाड़ा गुरु नागा दिगंबर उज्जैन गिरी के आशीर्वाद से अनूपपुर से अमरकंटक होते हुए 29 अगस्त 2024 एकादशी से अमरकंटक दक्षिण तट से पांच नर्मदा परिक्रमा पर निकल रहे हैं। वर्तमान समय में लगभग 20 दिन से शीतला माता मंदिर दक्षिण मुखी बाल हनुमान मंदिर अनूपपुर में हनुमान उपासक पुजारी ब्रह्मानंद गर्ग के साथ मंदिर में रहकर भक्ति में लीन हैं। दिनांक 26 अगस्त 2024 को शीतला माता मंदिर दक्षिण मुखी बाल हनुमान मंदिर अनूपपुर से सुबह 8.30 पर अमरकंटक की यात्रा प्रारंभ करेंगे।जो शाम तक अमरकंटक पहुंचकर वहां विश्राम कर मां नर्मदा का आशीर्वाद लेकर नर्मदा जल लेकर 29 अगस्त 2024 से अपनी यात्रा का शुभारंभ करेंगे।जो की 3 माह 13 दिन में वापस अमरकंटक में पूरी होगी।इसके बाद फिर दूसरी यात्रा वहीं से प्रारंभ होगी।इस तरह कुल पांच यात्रा लगभग 15 माह में पूरी होगी।यात्रा निरंतर जारी रहेगी। पांच यात्रा पूर्ण करने के बाद पुन: अनूपपुर आगमन होगा।महापुरुष दंडगिरि ने बताया कि उन्होंने पूर्व में साइकिल से 8 ज्योतिर्लिंग की परिक्रमा पूरी कर ली है।अब 4 ज्योतिर्लिंग की परिक्रमा शेष है।जिसे भी पूरा करेंगे।जिसमें
केदारनाथ,रामेश्वरम,बाबा बैजनाथ धाम एवं मल्लिकार्जुन प्रमुख हैं।प्रदीप पांडे उर्फ महापुरुष दंडगिरि ने अपनी यात्रा के बारे में बताया कि उनकी यह यात्रा भारत देश की खुशहाली एवं उन्नति के लिए एवं सभी की खुशी के लिए की जा रही है।

ग्रामीणों को स्वच्छ एवं शुद्ध पेयजल हेतु आरो प्लांट का राज्य मंत्री ने किया उद्घाटन

यशपाल सिंह जाट। सिटी चीफ
अनूपपुर, रविवार को कोतमा के समीपी गांव ठोढहा में जे एम यस माइनिंग प्राईवेट कोल माइंस के द्वारा ग्रामीणों को स्वच्छ एवं शुद्ध पेयजल मुहैया कराए जाने के उद्देश्य से ग्राम पंचायत ठोढहा में 18 हजार लीटर के आरो प्लांट का उद्घाटन मध्य प्रदेश के कुटीर एवं उद्योग राज्य मंत्री दिलीप जायसवाल के द्वारा कराया गया । मंत्री दिलीप जायसवाल ने अपने उद्बोधन में कहा कि कंपनी के द्वारा ग्रामीणों को स्वच्छ एवं शुद्ध पेयजल उपलब्ध कराने के उद्देश्य से आरो प्लांट को आज ग्रामीणों के नाम किया है उनकी यह पहल बहुत ही सराहनी है इससे ग्रामीणों को स्वच्छ एवं शुद्ध पेयजल उपलब्ध होगा ग्रामीणों को अब पीने के पानी के लिए परेशान नहीं होना पड़ेगा। कंपनी के द्वारा 30 भूमि स्वामियों को नियुक्ति पत्र भी मंत्री के हाथों प्रदान करवाया गया । उन्होंने कहा कि भूमि स्वामी जी ने नियुक्ति पत्र प्रदान किया गया है वह सुरक्षा एवं कंपनी के मानकों के अनुरूप कार्य करें। कोल माईन के वाइस प्रेसिडेंट संदीप कुमार ने कहा कि आरो प्लांट लग जाने से ठोढहा गांव के ग्रामीणों को स्वच्छ एवं शुद्ध पेयजल उपलब्ध होगा । साथ ही उन्होंने कहा कि अब तक 119 में भूमि स्वामियों को नियुक्ति पत्र प्रदान किया गया है । उन्होंने आशा व्यक्त की है कि कंपनी के कार्य सुरक्षा एवं कंपनी के अनुरूप कार्य किया जाएगा। कार्यक्रम में वाइस प्रेसिडेंट संदीप कुमार उपमा प्रबंधक अमित कुमार सिंह उप क्षेत्रीय प्रबंधक संजय कुमार कहारा खान प्रबंधक चार्ल्स विक्सल एवं राजीव मिश्रा वित्तीय प्रबंधन सुब्रतो भट्टाचार्य सहित ग्रामीण जन उपस्थित थे।

कुआं में पंप निकालने उतरे दो की डूबने से हुई मौत, कुएं के अंदर गैस होने की संभावना

एनडीएफआरएफ रेस्क्यू दल ने निकाले दोनों के शव, पुलिस जांच में जुटी

यशपाल सिंह जाट। सिटी चीफ
अनूपपुर, कोतवाली अनूपपुर से 10 किलोमीटर दूर स्थित जमुडी गांव में रविवार की सुबह कुआं के अंदर से पंप निकालते समय दो व्यक्ति कुआं के अंदर ही पानी में डूब गए जबकि एक व्यक्ति घबराहट होने पर बाहर आ गया, घटना की सूचना पर तहसीलदार एवं कोतवाली पुलिस मौके पर पहुंची है घटना पर संदेह व्यक्त किया जा रहा है कि कुआं के अंदर जहरीली गैस होने के कारण दोनों की मौत हुई जबकि एक किसान कुआ मे आधे दूर जाने बाद घबराहट होने पर वापस बाहर आ गया दोनों मृतकों के शव को बाहर निकालने के लिए एनडीएफआरएफ अनूपपुर का रेस्क्यू दल मौके पर पहुंच कर दोनों मृतको के शव सुरक्षित बाहर निकाला। इस के संबंध में मिली जानकारी के अनुसार कोतवाली थाना अनूपपुर अंतर्गत ग्राम पंचायत जमुडी के वार्ड क्रमांक 9 डिडवापानी मार्ग के मध्य समसाद अहमद पिता अहमद अली के खेत को कुछ गांव के लोग आधिया में लेकर खेती का काम वर्षों से कर रहे हैं इसी दौरान 25 अगस्त रविवार की सुबह 50 वर्षीय मदनसिंह पिता राम सिंह खेत में बने हुए कुआं के अंदर लगे दो पंप के फुटबॉल जो आपस में फस गए रहे को निकालने के लिए कुएं के नीचे उतरा इसी दौरान वह कुएं के बीच से अचानक कुएं के अंदर पानी में गिरकर डूब गया इसी दौरान 45 वर्षीय देवलाल पिता लल्ला उर्फ तेजू सिंह भी कुएं में उतरा जो अचानक हुए के अंदर पानी में डूब गया दोनों के ना आने पर 45 वर्षीय बोधन सिंह पिता राम सिंह जो कुएं के अंदर रस्सी एवं सीढी के सहारे उतरा लेकिन कुछ दूर जाने बाद घबराहट एवं अकबकाहट, बेचैनी लगने से वह तेजी से ऊपर आ कर हो-हल्ला किया जिससे पास में रोपा लगा रही महिलाओं ने रस्सी डालकर रस्सी को पड़कर बोधन कुआं से आकर बाहर आकर बच सका घटना की जानकारी पर कोतवाली अनूपपुर निरीक्षक अरविंद जैन पुलिस दल के साथ अनुपम पांडेय तहसीलदार अनूपपुर मौके पर पहुंचकर स्थिति को देखते हुए एनडीएफआरएफ अनूपपुर की टीम को घटना की स्थिति से अवगत कराते हुए बुलाए जाने पर आर,एन,भवेदी के नेतत्व में रेस्क्यू दल मौके पर पहुंचकर कुआं के अन्दर लोहे का कांटा,,रस्सी की मदद से दोनों के शव को सुरक्षित बाहर निकालने में सफल हुये दोनों शवों का पंचनामा कर पी,एम,हेतु जिला चिकित्सालय भेजा गया.

लव जिहाद की आरोपी महिला को राजपूत बताने पर प्रदर्शन

किरणी सेना परिवार ने फूंका हिंदू जागरण मंच के जिला संयोजक का पुतला, एफआईआर दर्ज करने की मांग

भगवान दास बैरागी । सिटी चीफ शाजापुर, दो दिनों तक युवती को बंधक बनाकर दुष्कर्म कराने के मामले में गिरफ्तार की गई महिला को राजपूत समाज की बताए जाने पर समाजजनों में आक्रोश व्याप्त है और इसीको लेकर करणी सेना परिवार ने हिंदू जागरण मंच के जिला संयोजक का पुतला दहन कर एफआईआर दर्ज किए जाने की मांग की है। बीते दिनों किला रोड निवासी महिला किरण को पुलिस के द्वारा घर में युवती को बंधक बनाकर दुष्कर्म कराने के मामले में गिरफ्तार किया गया। कोतवाली पुलिस ने एफआईआर में आरोपी महिला का नाम किरण राजपूत लिखा है, जबकि आधार कार्ड में महिला का नाम किरण गुजराती होना सामने आया है। किरण और अन्य तीन लोगों के खिलाफ एफआईआर दर्ज कराने के लिए हिंदू जागरण मंच के

अनूप किरकिरे ने कार्यकर्ताओं के साथ मिलकर जमकर हंगामा किया था और किरण को राजपूत बताते हुए एफआईआर दर्ज कराई थी। करणी सेना परिवार के सोनू बना सांपखेड़ा ने बताया कि राजपूत समाज को बदनाम करने के उद्देश्य से आरोपी महिला को राजपूत बताया गया है और मामले में हिंदू जागरण मंच के जिला संयोजक अनूप किरकिरे अपनी गलती मानकर खंडन करने को तैयार नही हैं जिसके विरोध में किरणी सेना परिवार के युवाओं ने धोबी चौराहा स्थित महाराणाप्रताप की प्रतिमा के समक्ष नारेबाजी करते हुए रविवार को अनूप किरकिरे का पुतला फूंक दिया। इसके बाद समाजजन कोतवाली थाना पहुंचे और हिंदू जागरण मंच के जिला संयोजक किरकिरे पर एफआईआर दर्ज करने की मांग को लेकर ज्ञापन सौंपा।

प्रदेशभर के राजपूत करेंगे पड़ाव उल्लेखनीय है कि लव जिहाद के मामले में एफआईआर दर्ज कराने में हिंदू जागरण मंच जिला संयोजक अनूप किरकिरे की अहम भूमिका रही। चूंकि कोतवाली पुलिस ने एफआईआर में किरण को राजपूत बताया है और इसीको लेकर राजपूत समाज आक्रोशित है। समाजजनों का कहना है कि किरकिरे के द्वारा समाज की प्रतिष्ठा धुमिल करने का प्रयास किया गया है। साथ ही राजपूत समाज ने चेतावनी दी है कि यदि 24 घंटे में अनूप किरकिरे पर एफआईआर दर्ज नही की गई और किरकिरे ने किरण के राजपूत होने के दावे का खंडन नही किया तो पूरे प्रदेश के राजपूत शाजापुर में महापड़ाव करेंगे जिसकी समस्त जिम्मेदारी शासन की रहेगी।

थाना कोतमा पुलिस के हत्थे चढ़ा हत्यारा 24 घण्टे के अंदर हुआ गिरफ्तार

यशपाल सिंह जाट। सिटी चीफ

अनूपपुर, थाना कोतमा में दिनांक 24/08/24 को फरियादी दीपू उर्फ मोहन पिता दिनेश उर्फ कल्लू बैगा उम्र 18 वर्ष निवासी जर्रा टोला व्दारा रिपोर्ट किया कि इसकी बहन रेखा बैगा हैण्ड पम्प में पानी भरने नानदाऊ बैगा के घर के पास गयी थी शाम करीब 7.00 बजे नानदाऊ बैगा के घर के पास हल्ला गोहार हो रहा था तब जाकर देखने पर इसकी बहन रेखा बैगा जो हैण्ड पम्प में पानी भर रही थी पानी भरने की बात को लेकर नानदाऊ बैगा वाद विवाद कर रहा था उसी समय पिता दिनेश बैगा एवं मां भी झगड़े की आवाज सुनकर वहां पर आ गये तभी नानदाऊ बैगा से पूछे की लड़की से क्यों विवाद कर रहे हो, इतने में नान दाऊ बैगा हमसे भी गाली गुप्तार कर अपने घर के

अन्दर से टंगिया (कुल्हाड़ी) लेकर आया और टंगिया से इसके पिताजी दिनेश बैगा को जान से मारने की नियत से सिर में कुल्हाड़ी मारा तो वह वही गिर गया मै बीच बचाव करने दौड़ा तो मुझे भी जान से मारने की नियत से मेरे सिर में एक कुल्हाड़ी मारा तो मै भी खून से लथपथ हो गया हल्ला गोहार किया तो नानदाऊ अपने घर के अंदर चला गया फिर हमे 100 डायल नंबर से ईलाज हेतु कोतमा अस्पताल लेकर आये कोतमा अस्पताल में ईलाज के दौरान पिता की मृत्यु हो गई की रिपोर्ट पर आरोपी नानदाऊ निवासी बोड़री के खिलाफ अपराध क्र. 367/24 धारा 109, 103(1) *BNS* कायम कर विवेचना में लिया गया । दौरान विवेचना मृतक दिनेश उर्फ कल्लू बैगा पिता बिरजू बैगा उम्र 40 वर्ष निवासी जर्रा टोला के शव का पंचनामा कार्यवाही वैज्ञानिक अधिकारी की टीम के साथ किया जाकर शव का पी एम कराया गया घटना स्थल का बारीकी से निरीक्षण किया गया साक्षी गणो के कथनो एवं आये साक्ष्य के आधार पर प्रथम दृष्टया आरोपी नानदाऊ बैगा पिता स्व. रामदास बैगा के खिलाफ अपराध प्रमाणित पाये जाने पर आरोपी की पता तलाश हेतु थाना प्रभारी कोतमा के नेतृत्व में दो अलग अलग टीम गठित कर संभावित स्थानो पर आरोपी की तलाश की गई तो आरोपी को जर्रा टोला जंगल से पुलिस टीम व्दारा बड़ी सूझबूझ व मेहनत से दस्तयाब कर हिकमतअमली से पूछताछ की गई जो जुर्म करना स्वीकार करने पर मौके से आरोपी के निशादेही पर आला जरब जप्त कर आरोपी को गिरफ्तार कर अभिरक्षा में लिया गया ।उक्त कार्यवाही में महत्वपूर्ण भूमिका थाना प्रभारी कोतमा सुन्द्रेश सिंह, उप निरी. बाबूलाल परस्ते , उप निरी.पुष्पराज सिंह ,सउनि. विनय सिंह परिहार , प्र.आर. 151 अजय शर्मा , प्र.आर.119 कपिल उईके , प्र.आर.86 भैरव सिंह , प्र.आर. 52 दिनेश राठौर ,आर. 435 संजय व्दिवेदी , आर. 224 चक्रधर तिवारी , आर. 289 नरेन्द्र खवादे, चालक आर. 575 दिनेश किराडे ,आर. 219 मुमताज अहमद तथा थाना के स्टाफ की सराहनीय महत्वपूर्ण भूमिका रही।

कबड्डी और खो-खो प्रतियोगिता का शुभारंभ

भगवान दास बैरागी | सिटी चीफ| शाजापुर, स्थानीय दुपाड़ा रोड स्थित सरस्वती विद्या मंदिर में कबड्डी एवं खो-खो की विभागीय खेलकूद प्रतियोगिता प्रारंभ हुई। उद्घाटन सत्र में विभाग समन्वयक सुरेंद्र जोशी तथा प्रतियोगिता प्रभारी वीरेन्द्र मंडलोई मंचासीन रहे। इस दौरान अतिथियों ने विद्यार्थियों को महापुरुषों के उदाहरण द्वारा जीवन के मान बिंदुओं को खेल के माध्यम से समझाते हुए कहा कि खेल खेलों और अच्छी तरह खेलो, क्योंकि खेल से तन, मन स्वस्थ रहता है और जीवन में अनुशासन आता है। अतिथि परिचय प्राचार्य सोनिया सोनी ने किया। स्वागत क्रीड़ा शिक्षण सोनी ने किया। रविवार को खो-खो प्रतियोगिता का उद्घाटन मेच नंबर 17 कालापीपल एवं नलखेड़ा की टीम के बीच खेला गया। विभाग समन्वयक जोशी ने परिचय लेकर टॉस करवाया और टॉस नलखेड़ा ने जीतकर रनिंग का निर्णय लिया। इस मुकाबले में 14.3 से कालापीपल की टीम विजय रही।

लगातार बारिश से बांध का जल स्तर बढ़कर 17 फीट 3 ईंच पहुंचा

भगवान दास बैरागी । सिटी चीफ । शाजापुर, आसमान पर छाई काली घटाएं दिनभर बरसती रहीं और इसीके चलते शहर के लोगों की वर्षभर प्यास बुझाने के लिए चीलर बांध में पर्याप्त पानी जमा हो गया। गौरतलब है कि मानसून के सक्रिय होने के बाद से ही आसमान पर डेरा जमाए काले बदरा लगातार रूक-रूककर बरस रहे हैं और इसीके चलते रविवार को भी दिनभर बारिश का दौर जारी रहा और इस बारिश के कारण चीलर बांध का जल स्तर बढक़र 17 फीट 3 ईंच हो गया है। वहीं मौसम विभाग के अनुसार आसमान से बारिश के बरसने का सिलसिला आगामी दिनों में जारी रहेगा। याने आने वाले दिनों में बांध का आंचल लबालब भरा जाने की प्रबल संभावना है। जल संसाधन विभाग के अधिकारियों ने बताया कि शहर के लोगों को वर्षभर पेयजल सप्लाई करने के लिए करीब छह

फीट पानी की आवश्यकता होती है। फिलहाल बांध का जल स्तर 17 फीट के आंकड़े को भी पार कर चुका है, जिसके कारण शहरवासियों को इस वर्ष भी जल संकट का सामना नही करना पड़ेगा। तापमान लुढक़ा, बांध का जल स्तर बढ़ा लगातार हो रही बारिश के बाद चीलर बांध का जहां स्तर बढ़ गया है तो वहीं तापमान लुढक़ने से लोगों को गर्मी से राहत मिली है। मौसम विशेषज्ञ सत्येंद्र धनोतिया ने बताया कि आसमान बरस रही तेज बूंदों के कारण रविवार को अधिकतम तापमान गिरावट के साथ 28.2 डिग्री और न्यूनतम तापमान 23.4 डिग्री दर्ज किया गया। वहीं मौसम में आर्दता 93 प्रतिशत रही। पिछले 24 घंटे मे शाम 5 बजे तक शाजापुर में 53 मिलीमीटर लगभग 2 इंच वर्षा दर्ज की गई। जबकि अब तक कुल वर्षा 667 मिलीमीटर याने 28.6 इंच दर्ज की जा चुकी है।

भाजपा सदस्यता अभियान को लेकर कार्यशाला आयोजित

जिले में बनाए जाएंगे 3 लाख सदस्य

भगवान दास बैरागी । सिटी चीफ ।

शाजापुर, भारतीय जनता पार्टी के द्वारा प्रारंभ किए जा रहे सदस्यता अभियान को लेकर रविवार को गौलाना मंडल की कार्यशाला सलसलाई में आयोजित की गई, जिसमें भाजपा संगठन महापर्व के अंतर्गत होने वाले सदस्यता अभियान को लेकर विस्तार से चर्चा की गई। कार्यशाला को मुख्य अतिथि के रूप में भाजपा जिला महामंत्री दिनेश शर्मा ने संबोधित करते हुए कहा कि सदस्यता संगठन का प्राण होता है। सदस्यता तो सभी संगठन करते हैं लेकिन हमारा संगठन अलग तरीके से काम करता है। भाजपा संगठन को खड़ा करने के लिए हमारे पूर्वजों ने अपने पूरे जीवन की पूंजी लगा दी, तब आज हम विश्व के सबसे बड़े संगठन के रूप में खड़े हैं। एक समय था जब कोई हमारी पार्टी से चुनाव लडऩा नहीं चाहता था, परंतु आज पंच से लेकर प्रधानमंत्री के पद तक भारतीय जनता पार्टी के कार्यकर्ता विराजमान हैं। पार्टी का

बड़ा लक्ष्य है और उस लक्ष्य को हासिल करना हम सबका कर्तव्य है। 1 सितंबर 2024 से प्रारंभ हो हो रहे सदस्यता अभियान में सर्वप्रथम पहले देश के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी सदस्यता लेंगे इसके पश्चात सदस्यता अभियान का शुभारंभ होगा। वहीं कार्यशाला में मुख्य वक्ता के रूप में मौजूद भाजपा जिला मीडिया प्रभारी विजय जोशी ने संबोधित करते हुए कहा कि प्रत्येक बूथ पर कार्यकर्ता पहुंचें और सदस्यता अभियान में हर वर्ग के लोगों को शामिल करते हुए उन्हें सदस्य बनाएं। प्रत्येक कार्यकर्ता को 100 सदस्य बनाना है तभी वह सक्रिय सदस्य संगठन में बनेगा। केंद्रीय नेतृत्व ने 10 करोड़ नए सदस्य बनाने का लक्ष्य रखा जिसमें प्रदेश नेतृत्व को डेढ़ करोड़ नए सदस्य बनाने का लक्ष्य दिया है। प्रदेश नेतृत्व ने शाजापुर जिले को 3 लाख सदस्य बनाने का लक्ष्य दिया है जिसे हम सब कार्यकर्ताओं को मिलकर पूरा करना है। नमो ऐप, मिस्ड कॉल, ऑफलाइन सदस्यता के माध्यम से इस अभियान के लक्ष्य को पूरा करना है। कार्यशाला की अध्यक्षता करते हुए मंडल अध्यक्ष सूरजसिंह सिसोदिया ने कहा कि वर्ष भर पार्टी के विभिन्न कार्यक्रम हमारे मंडल में आयोजित होते हैं, लेकिन संगठन के इस महापर्व पर सभी कार्यकर्ताओं की भागीदारी सुनिश्चित हो इसके लिए प्रत्येक कार्यकर्ता गांव-गांव मोहल्ले मोहल्ले पहुंचकर भाजपा के सदस्य बनाने का कार्य करते हुए जिले को मिले लक्ष्य को पूरा करने का काम करेगा। कार्यशाला में वरिष्ठ नेता प्रकाश मेवाड़ा ने भी संबोधित किया। इस अवसर पर सदस्यता अभियान के मंडल प्रभारी रमेशचंद्र कसनिया, वरिष्ठ नेता शिवप्रकाश वर्मा, किसान मोर्चा जिला मंत्री मोतीसिंह मेवाड़ा, हेमंत मेवाड़ा, प्रेमसिंह पठारिया मंचासीन थे। संचालन मंडल महामंत्री महेंद्र गोवा ने किया तथा आभार मंडल महामंत्री मांगीलाल टाटिया ने माना। इस अवसर पर बहादुर मेवाड़ा, धर्मराज परमार, रोशन मेवाड़ा, भोजराज मेवाड़ा, देवीसिंह मेवाड़ा, अनमोल शर्मा, महेश वर्मा, कमलेश शर्मा, प्रेम साहू, गोकुल गिरि, लखन पटेल, गोपाल तिवारी, रमेश प्रजापति, संतोष राठौर आदि उपस्थित थे।

जन अभियान परिषद द्वारा महर्षि अरविंद जी की जयंती पर जिला स्तरीय व्याख्यानमाला आयोजित

भगवान दास बैरागी । सिटी चीफ

शाजापुर, मध्यप्रदेश जन अभियान परिषद शाजापुर द्वारा महर्षि अरविंद की जयंती पर उनके जीवन एवं विचारों के प्रचार-प्रसार के लिए जिला स्तरीय व्याख्यानमाला कार्यक्रम का आयोजन पंडित बालकृष्ण शर्मा नवीन महाविद्यालय शाजापुर में किया गया। रविवार को आयोजित कार्यक्रम का शुभारंभ भगवान श्रीकृष्ण, भारत माता एवं महर्षि अरविंद जी के चित्र के समक्ष दीप प्रज्ज्वलित कर किया गया। इसके पश्चात अतिथियों का पुष्पगुच्छ एवं माला पहनाकर स्वागत किया गया। कार्यक्रम की अध्यक्षता जिला पंचायत अध्यक्ष हेमराजसिंह सिसोदिया ने की। मुख्य वक्ता के रूप में विभाष उपाध्याय, शिवप्रसाद मालवीय, प्राचार्य विद्याशंकर विभूति, आनंद मोहन पंड्या, विष्णुप्रसाद नागर, बसंत रावत, धनसिंह धनगर एवं सीमा बैंडवाल मौजूद थे। इस दौरान जिला समन्वयक विष्णुप्रसाद नागर ने कार्यक्रम की रूप रेखा बताते हुए कहा कि परिषद वर्ष में 5 महापुरुषों की जयंतियां आयोजित करता है। उन्होने अरविन्द जी के जीवन के बारे में बताते हुए कहा कि वह एक योगी एवं दार्शनिक थे। वे 15

अगस्त 1872 को कलकत्ता में जन्मे थे इनके पिता एक डाक्टर थे। इन्होंने युवा अवस्था में स्वतन्त्रता संग्राम में क्रान्तिकारी के रूप में भाग लिया। विभाष उपाध्याय द्वारा अरविंद जी के जीवन पर विस्तार पूर्वक बताया एवं वर्णन करते हुए कहा कि हमारे देश में अधिकांश लोग महर्षि अरविन्द जी को महर्षि के ही रूप में जानते हैं। वे यही जानते हैं कि अरविन्द जी ने आज के वैज्ञानिक युग में भी योग की साधना के द्वारा अमूल्य सिद्धियां प्राप्त की थीं। अरविन्द जी के सम्बन्ध में लोगों की यह धारणा असत्य नहीं है, किन्तु अपने प्रारंभिक जीवन में अरविन्द जी योग साधक के अतिरिक्त कुछ और भी थे। जिला पंचायत अध्यक्ष सिसोदिया ने मध्यप्रदेश जन अभियान परिषद के कार्यकर्ताओं का उत्साह वर्धन करते हुए कहा कि जन अभियान परिषद के कार्यकर्ता हर समय अपनी ईमानदारी से कार्य कर रहे हैं, जिससे कि समाज को नया बल प्राप्त हो रहा है। इसके पश्चात शिवप्रसाद मालवीय एवं आनंद मोहन पंड्या के द्वारा अरविंद जी के जीवन एवं उनके प्रयासों का विस्तृत वर्णन किया गया।

देवबंद नगर में आगामी बुधवार को भगवान श्रीकृष्ण जी राधारानी संग स्वर्णरथ पर सवार होकर आकर्षक झाकियों और बैज-बाजों के साथ देवबंद नगर के भ्रमण पर निकलेंगे

गौरव सिंघल । वरिष्ठ पत्रकार देवबंद (सहारनपुर)।

श्री पंचायती ठाकुरद्वारा सभा की ओर से हर वर्ष की भांति इस वर्ष भी प्राचीनतम, ऐतिहासिक एवं परंपरागत श्री कृष्ण रथ विशाल शोभा यात्रा महोत्सव बुधवार 28 अगस्त को देवबंद नगर में बड़े धूमधाम के साथ मनाया जाएगा।देवबंद नगर में सवा सौ साल से भी ज्यादा से श्रीकृष्ण रथयात्रा निकलती आ रही है। इसका अपना एक अलग इतिहास और महत्व है। देवबंद नगर में श्रीकृष्ण जन्माष्टमी के दो दिन बाद यानि दशमी को बुधवार के दिन श्रीकृष्ण रथयात्रा का भव्य आयोजन होगा। इस रथयात्रा का प्रबंधन श्री पंचायती ठाकुरद्वारा सभा द्वारा किया जाता हैं। शोभा यात्रा में करीब बीस से पच्चीस हजार लोग भागीदारी करते हैं। श्री पंचायती ठाकुरद्वारा सभा के अध्यक्ष

विनोद प्रकाश गुप्ता और कोषाध्यक्ष अशोक गुप्ता ने बताया कि बुधवार प्रात: आठ बजे मोहल्ला छिम्पीवाड़ा में स्थित वेद-ज्ञान श्रीकृष्ण रथशाला पर स्वर्णरथ पूजन एवं धर्म ध्वज की स्थापना होगी। इसके बाद स्वर्णरथ और प्रसाद का रथ दोनों का श्रीठाकुरद्वारा मंदिर के लिए प्रस्थान होगा।श्रीठाकुरद्वारा मंदिर से सायं चार बजे के करीब भगवान श्रीकृष्ण और राधा रानी प्रतिमाओं के रूप में स्वर्णरथ पर सवार होंगे। जिसके तुरंत बाद शोभायात्रा शुरू हो जाएगी। शोभायात्रा मनोरम झांकियों, बैंडबाजों, कीर्तन मंडलियों और श्रद्धालुओं की भारी उपस्थिति के बीच मेन बाजार मंदिर श्री ठाकुरद्वारा से शुरू होकर अनाज मंड़ी, एमबीडी चौक, मुख्य बाजार, बाजार सरसटा, हनुमान चौक, जनकपुरी, कायस्थवाड़ा स्थित श्रीराधा वल्लभ संप्रदाय के ऐतिहासिक एवं प्राचीन मंदिर पहुंचेगी। जहां भगवान श्रीकृष्ण और राधा जी की श्रद्धालुजन पूजा-अर्चना करेंगे, प्रसाद वितरण होगा और वहां से शोभा यात्रा मंगलौर रोड़, जीटी रोड़ होती हुई देर रात में श्री देवीकुंड के विशाल मैदान पर पहुंचेगी। वहां से देर रात्रि में ही शोभायात्रा मोहल्ला शाहजीलाल, टांकान, लहसवाडा चौक और मेन बाजार से होती हुई वापस मंदिर श्रीठाकुरद्वारा पर संपन्न होगी। दिनांक 27 अगस्त दिन मंगलवार को रात्रि आठ बजे भगवान के रथों पर सारथी, चंवर डुलाना, प्रसाद वितरण आदि के लिए श्रद्धालुजनों द्वारा प्रभु के समक्ष (रथशाला सहित) बोलियां स्थान- श्री पंचायती ठाकुरद्वारा मंदिर प्रांगण, मेन बाजार,देवबंद पर होगी। शोभायात्रा के आयोजन में जहां सैकड़ों की संख्या में मंदिर प्रबंध समिति और उनके सहयोगी और अनेक सामाजिक-व्यापारिक संगठन अपना योगदान दे रहे हैं वहीं जिला पुलिस-प्रशासन और स्थानीय अधिकारियों एसडीएम देवबंद अंकुर वर्मा, सीओ देवबंद अशोक सिसोदिया और पुलिस निरीक्षक संजीव कुमार की देखरेख और निगरानी रहेगी। इस शोभायात्रा को लेकर देवबंद नगर और क्षेत्र में जबरदस्त उत्साह बना हुआ है। पुलिस- प्रशासन शोभायात्रा को सफल बनाने के लिए चाक-चौबंद प्रबंध करने में लगे हुए हैं।

कोई भी व्यक्ति बाढ़ की स्थिति में पुल-पुलियाओ रपटो को पार न करें- कलेक्टर सुश्री बाफना

शाजापुर । सिटी चीफ । जिले में भारी बारिश की संभावना को दृष्टिगत रखते हुए कलेक्टर सुश्री ऋजु बाफना ने जिले के समस्त नागरिकों से अपील करते हुए कहा है कि कोई भी व्यक्ति बाढ़ की स्थिति में पुल-पुलियाओ रपटो आदि को पार नहीं करें। अतिवृष्टि के कारण नदियां, तालाब, नाले उफान पर है, जिसके कारण पुल-पुलिया, रपटो पर पानी तेज बहाव के साथ बहने की स्थिति निर्मित हो सकती हैं। पुल-पुलिया, रपटों से पानी बहने की स्थिति में कोई भी व्यक्ति जोखिम नहीं ले और दो पहिया, चार पहिया इत्यादि वाहनों से पुल-पुलिया पार ना करे। पुल-पुलिया रपटो से पानी उतरने की स्थिति में ही पार करें। साथ ही पिकनिक स्पाट, पहाडी, झरने या वाटर फाल में ना जाये। अतिवर्षा की स्थिति में किसी भी अप्रिय घटना से बचने के लिये अपने घरों में रहकर प्रशासन का सहयोग करे।

बाढ़ नियंत्रण कक्ष को सूचना दे अतिवृष्टि एवं बाढ़ की स्थिति में सहायता के लिये जिला मुख्यालय सहित तहसील मुख्यालयों पर नियंत्रण कक्ष की स्थापना की गई है। कलेक्टर सुश्री ऋजु बाफना ने आमजनों से कहा है कि अतिवृष्टि या बाढ़ के कारण अप्रिय स्थिति निर्मित होने पर नजदीक के बाढ़ नियंत्रण कक्ष को सूचित करें। जिला मुख्यालय पर कलेक्टर कार्यालय के कक्ष क्रमांक 40 में बाढ़ नियंत्रण कक्ष बनाया गया है, जिसका दुरभाष क्रमांक 07364-227202 हैं। भू अभिलेख अधीक्षक को कन्ट्रोल रूम प्रभारी बनाया गया है, जिनका मोबाईल नंबर 9669850185 है।

पीएम ने लखपति दीदियों से किया संवाद

देश के 48 लाख समूहों को प्रदाय किया 2500 करोड़ रुपये के रिवाल्विंग फण्ड

बालाघाट । सिटी चीफ । बालाघाट की 426 स्व सहायता समूहों की दीदियों को 426 लाख रुपये सामुदायिक निवेश निधि प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी रविवार को महाराष्ट्र के जलगांव में लखपति दीदी सम्मेलन कार्यक्रम में शामिल हुए। उन्होंने कार्यक्रम में 11 लाख लखपति दीदियों का अभिनंदन स्व सहायता समूह के 48 लाख समूहों को रू. 2500 करोड़ के रिवॉल्विंग फंड का वितरण एवं स्व सहायता समूहों के 26 लाख सदस्यों को रू. 5000 करोड़ के बैंक ऋण का वितरण किया गया। इस कार्यक्रम का जिला पंचायत में लाइव प्रसारण हुआ। इस कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में सांसद श्रीमती भारती पारधी, जिला पंचायत उपाध्यक्ष श्री राजा लिल्हारे, जनपद पंचायत उपाध्यक्ष श्री शंकरलाल बिसेन व जिपं सीईओ श्री

डी.एस.रणदा, जिला परियोजना प्रबंधक ग्रामीण आजीविका मिशन सुश्री श्वेता मेहतो उपस्थित रहें। सभागृह में हुए लाइव प्रसारण में आजीविका मिशन की दीदीयों को दिखाया गया। कार्यक्रम के माध्यम से सभी संकुल स्तरीय संगठन एवं ग्राम संगठन में कार्यक्रम का सीधा प्रसारण दिखाया गया। सांसद श्रीमती पारधी ने लखपति दीदी सम्मेलन में आजीविका मिशन की दीदीयों को सम्बोधित करते हुए कहा गया कि मिशन की दीदीयों द्वारा आजीविका संवर्धन में अपनी सहभागिता कर परिवार की आय वृद्धि के क्षेत्र में एक उत्कृष्ट कार्य किया है। जिला पंचायत सीईओ ने आजीविका मिशन की दीदीयों को लखपति दीदी से आगे बढकर करोड़पति दीदी बनने हेतु समझाईश दी गई। लखपति दीदी अभिनंदन कार्यक्रम के अंतर्गत बालाघाट जिले की लखपति दीदी तथा लखपति सीआरपी को सम्मान पत्र का वितरण सांसद श्रीमती पारधी द्वारा किया गया। बालाघाट के 132 स्व सहायता समूहो को बैंक ऋण वितरण का तीन करोड़ पच्चीस लाख रूपये का प्रतीकात्मक चैक वितरित किया गया। साथ ही सामुदायिक निवेश निधि 426 स्व सहायता समूहो को चार सौ छब्बीस लाख रूपये एवं चक्रिय निधि के लिए 385 स्व सहायता समूहों को सत्तातर लाख रूपये का वितरण किया गया। इस कार्यक्रम में जिला प्रबंधक श्री विरेन्द्र तिडके, श्री शंशाक तिवारी, श्रीमती ममता भिमटे, श्री मुकेश कुमार गोखे, श्री दिलीप सिंह गौंड, श्री विजय मिश्रा, श्री दिनेश कुमार, श्रीमती स्वाति बिसेन, श्री अंकित, श्री कन्हैया नगपुरे, श्री पूनम आमाडारे का सहयोग रहा।

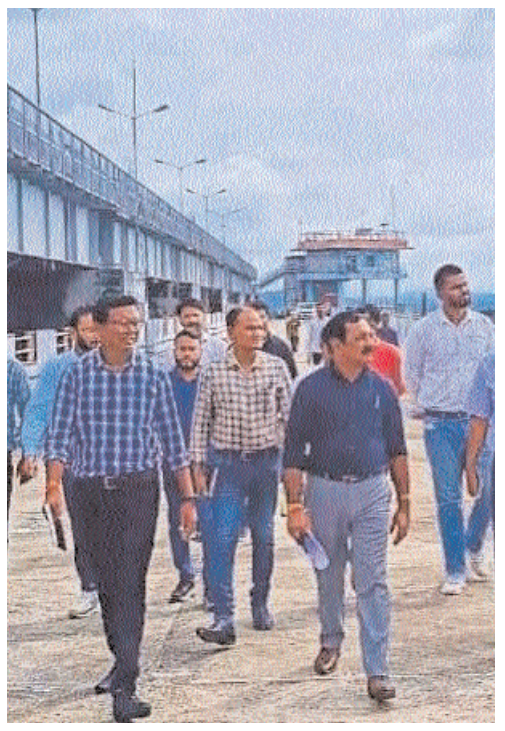

शहडोल । सिटी चीफ | कलेक्टर डॉ. केदार सिंह ने आज तहसील ब्यौहारी के बाणसागर डैम का निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान कलेक्टर ने बाणसागर डैम में जल भराव की स्थिति की जानकारी ली तथा आवश्यक निर्देश संबंधित अधिकारियों को दिए। निरीक्षण के दौरान अनुविभागीय अधिकारी राजस्व श्री नरेंद्र सिंह धुर्वे सहित अन्य अधिकारी उपस्थित थे।

अनुविभागीय अधिकारी राजस्व मेहगांव ने पटवारी हल्का 02-बहुआ को किया निलंबित

भिण्ड । सिटी चीफ । पटवारी हल्का मुख्यालय पर अनुपस्थित रहने पर की गई कार्रवाई अनुविभागीय अधिकारी राजस्व मेहगांव श्री नवनीत शर्मा ने पटवारी हल्का मुख्यालय पर उपस्थित नहीं रहने पर पटवारी हल्का 02-बहुआ श्रीमती हेमलता शिवहरे को तत्काल प्रभाव से निलंबित कर दिया है। अनुविभागीय अधिकारी राजस्व मेहगांव श्री नवनीत शर्मा ने बताया कि मध्य प्रदेश शासन द्वारा राजस्व विभाग में सर्वोच्च प्राथमिकता से संचालित राजस्व महा अभियान 2.0 में अनुविभागीय अधिकारी राजस्व मेहगांव के द्वारा आज दिनांक 25 अगस्त 2024 को समस्त पटवारियों को उनके मुख्यालय पर उपस्थित रहकर कृषकों की भूमि को आधार कार्ड से लिंक करते हुए ई-केवायसी करने तथा नक्शा तरमीम कार्य में प्रगति हेतु प्रकरण तैयार करने के लिए ग्रामस्तर पर कैम्प लगाकर कार्यवाही करने के लिए निर्देशित किया गया था, किंतु श्रीमती हेमलता शिवहरे पटवारी, पटवारी हल्का 02-बहुआ आज दिनांक 25 अगस्त 2024 को पटवारी हल्का मुख्यालय पर न तो उपस्थित हुई और न ही इनके द्वारा कोई कार्य किया जाना पाया गया। तहसीलदार मेहगांव के द्वारा भी राजस्व अभियान भाग 2 में इनकी प्रगति को अतिन्यून होना प्रतिवेदित किया है। इससे स्पष्ट है कि पटवारी श्रीमती हेमलता शिवहरे के द्वारा राजस्व अभियान भाग 2 में रूचि लेकर कार्य नहीं किया जा रहा है। इससे राजस्व विभाग की छवि धूमिल हुई है। पटवारी श्रीमती हेमलता शिवहरे का उक्त कृत्य अपने पदीय दायित्वों के प्रति लापरवाही, उदासीनता एवं अनुशासनहीनता का परिचायक है, जो कि मध्यप्रदेश सिविल सेवा (आचरण) नियम के विपरीत होकर कदाचरण की श्रेणी में आता है। उक्त कृत्य के लिए श्रीमती हेमलता शिवहरे, पटवारी, तहसील मेहगांव को मध्यप्रदेश सिविल सेवाएं (वर्गीकरण, नियंत्रण तथा अपील) नियम के तहत प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए तत्काल प्रभाव से निलंबित किया जाता है। निलंबन अवधि में इनका मुख्यालय तहसील गोरमी नियत किया जाता है। निलंबन अवधि में इन्हें नियमानुसार जीवन निर्वाह भत्ता प्रदाय किया जावेगा। यह आदेश तत्काल प्रभावशील होगा।

छुट्टी के दिन भी गाँव-गाँव ई-केवायसी करने पहुँचे पटवारी, जीआरएस व पंचायत सचिव

ग्वालियर । सिटी चीफ । राजस्व महा अभियान के तहत हो रहा है यह काम नक्शा सुधार सहित राजस्व प्रकरणों का निराकरण भी किया जा रहा है रविवार की छुट्टी होने के बावजूद पटवारी, ग्राम रोजगार सहायक (जीआरएस) व ग्राम पंचायत सचिव गाँव-गाँव पहुँचे और किसानों की समग्र ई-केवायसी का काम किया। राजस्व महा अभियान के तहत जिले में समग्र ई-केवायसी एवं खसरे से लिंक करने के काम को तेजी से पूर्ण करने के लिए कलेक्टर श्रीमती रुचिका चौहान ने पटवारी, जीआरएस व पंचायत सचिव को संयुक्त रूप से जिम्मेदारी सौंपी है। जिला प्रशासन के प्रोत्साहन

से ये सभी कर्मचारी उत्साह पूर्वक यह काम पूरा करने में जुटे हैं। इस कड़ी में रविवार की छुट्टी के दिन जिले के पटवारी, जीआरएस व ग्राम पंचायत सचिवों ने पहुँचकर संयुक्त रूप से किसानों की समग्र ई-केवायसी का काम किया।

प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी ने लखपति दीदियों से किया वर्चुअल संवाद

खरगोन । सिटी चीफ । 25 अगस्त 2024 को महाराष्ट्र के जलगांव में लखपति दीदियों का अभिनंदन स्व सहायता समूह व बैंक लिंकेज ऋण वितरण का आयोजन किया गया है। इस कार्यक्रम में प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी द्वारा मुख्य अतिथि के रूप में सहभागिता कर समस्त राज्यों के समुहों को बैंक ऋण वितरण किया गया। कार्यक्रम वेब् कॉस्ट लिंक के माध्यम से प्रसारित किया गया। मुख्य कार्यपालन अधिकारी, जिला पंचायत श्री आकाश सिहं (IAS) की अध्यक्षता में जिला स्तर पर कार्यक्रम का आयोजन जिला पंचायत सभाग्रह में किया गया। कार्यक्रम के माध्यम से म.प्र. डे-राज्य ग्रामीण आजीविका मिशन के तहत जिले के कुल 215 स्व सहायता समूहों को 06 करोड़ 97 लाख 70 हजार रुपये बैंको के माध्यम से ऋण वितरण किया जायेगा। इसी प्रकार मिशन अंतर्गत चक्रिय राशि (आरएफ) 353 समूहों को 70 लाख 70 हजार एवं सामुदायिक निधि (सीआईएफ) 292 समूहों को 02 करोड़ 92 लाख रूपये जारी कर लाभांन्वित किया गया। इस प्रकार समग्र रूप से जिले से कुल 860 समूहों को बैंक लिंकेज/आरएफ/ सीआईएफ के माध्यम से राशि रूपयें 10 करोड़ 60 लाख 40 हजार जारी कर लाभांवित किया गया। साथ ही स्व सहायता समूहों के सदस्य को लखपति दीदी/सीआरपी को अभिनंदन स्वरूप एवं सम्मान पत्र से भी सम्मानित किया गया। इस कार्यक्रम में जिला पंचायत उपाध्यक्ष श्री बापू सिंह परिहार भी उपस्थित थे।

अपर कलेक्टर ने किया नक्शा तरमीम एवं ई-केवायसी कार्य का निरीक्षण

झाबुआ। सिटी चीफ । अपर कलेक्टर श्री अखिलेश जैन द्वारा आज तहसील गुना ग्रामीण के ग्राम बजरंगगढ़,छिपोन एवं सरखोह का भ्रमण किया द्य तीनों पटवारी हल्का में लगभग चार-चार ग्राम है इस दौरान उन्होंने राजस्व महाअभियान 2.0 के तहत नक्शा तरमीम एवं ई-केवायसी कार्य की जानकारी प्राप्त की ओर पटवारियों को कार्य समय सीमा मे पूर्ण करने के निर्देश दिए।

एक महिना होने के बाद भी नहीं हटा अतिक्रमण रास्ते मे दिक्कतें

उज्जैन। सिटी चीफ ।
मुख्यमंत्रीजी का गृह जिला

खाचरोद जनपद की ग्राम पंचायत डोडिया में जो मुख्य मार्ग है मस्जिद से लेकर चांपा खेड़ा मार्ग तक सड़क पर अतिक्रमण को लेकर ग्रामीणों द्वारा पिछले 20 जुलाई को लिखित में तहसीलदार को आवेदन दिया था तहसीलदार द्वारा बताया कि आप ग्राम पंचायत को आवेदन दो अगर वो कार्रवाई नहीं करते हैं तो फिर तहसील स्तर पर कार्रवाई कर अतिक्रमण हटाया जाएगा ग्रामीणों द्वारा ग्राम पंचायत सचिव रमेश चंद्र डाबी को आवेदन दिया था और पंचायत द्वारा गांव के चिन्हित अतिक्रमण करने वाले लोगों को नोटिस भी दिया और पटवारी एवं ग्राम पंचायत सचिव द्वारा 18 फीट चौड़ाई कर नाप किया गया और सात दिन की समयावधि में अतिक्रमण हटाने का नोटिस दिया परंतु चिन्हित अतिक्रमण करने वाले लोगों द्वारा आज दिनांक तक अतिक्रमण नहीं हटाया गया जिसमें आसपास के राहगीरों एवं ग्रामीणों के साथ ही स्कूल जाने वाले छात्र छात्राओं को बढ़ी परेशानी हो रही है गांव के मुख्य चौराहे पर मोड़ होने के स्कूल बस तक नहीं निकल सकती जिससे अभिभावकों को रोज बच्चों को गांव से बाहर चांपा खेड़ा रास्ते पर छोड़ने और लेने जाना पड़ रहा है गांव के दोनों ओर प्रधानमंत्री सड़क है उत्तर में डोडिया से चांपा खेड़ा तक एवं दक्षिण में डोडिया मस्जिद से नारेली सेदरी बरखेड़ा होते हुए खाचरोद तक रोड़ से जुड़ा है फिर गांव को बीच में छोड़ दिया जिससे यह कीचड़ में मार्ग संकरी करण की

समस्या आ रही है जनप्रतिनिधियों को भी ग्रामीणों द्वारा कई बार अवगत कराया किंतु अबतक कोई समाधान नहीं हुआ पंचायत सचिव से बात की तो उनका कहना है कि अभी बारिश का समय है एक दो दिन में अतिक्रमण हटाने की कार्रवाई करेंगे और नाली निर्माण कार्य भी करना है डोडिया गांव में चारों तरफ अतिक्रमण फैला हुआ है एक चंद्रवंशी समाज का श्मसान घाट एवं मुस्लिम समाज का कब्रिस्तान का जो रास्ता है उस पर भी गंदगी कीचड़ और जल भराव होने के कारण अगर किसी की मृत्यु हो जाती है तो मजबूरन कीचड़ एवं गंदगी में शव यात्रा लेकर निकलना पड़ता है इस मार्ग पर लोग सोच करते हैं और उसी सोच पर होकर शवयात्रा लेकर जाते हैं और रास्ते में ही लोगों द्वारा कूड़ा कचरा डालकर थोड़ा बहुत जो रास्ता है उसे भी अवरुद्ध कर दिया है पंचायत इस और बिल्कुल ध्यान नहीं दे रही है एक तरफ सरकार स्वच्छ भारत अभियान के तहत गांवों को स्वच्छ बनाए रखने का निर्देश दे रही है और डोडिया गांव में स्वच्छता अभियान सिर्फ कागजों में ही हैं धरातल पर नतीजा शून्य है अत: प्रशासन को इस समस्या को लेकर तुरंत समाधान करना चाहिए !

जिले में अब तक 825 मिमी अर्थात 32.50 इंच

नरसिंहपुर । सिटी चीफ । नरसिंहपुर जिले में एक जून से 24 अगस्त तक की अवधि में औसत रूप से कुल 825.4 मिमी अर्थात 32.50 इंच वर्षा दर्ज की गयी है। 24 अगस्त की सुबह तक बीते 24 घंटे में जिले में औसतन 20.2 मिमी वर्षा दर्ज की गई है। इस दिन तहसील नरसिंहपुर में 15 मिमी, गाडरवारा में 9 मिमी, गोटेगांव में 30 मिमी वर्षा, करेली में 50 और तेंदूखेड़ा में 42 मिमी वर्षा आंकी गई है। अधीक्षक भू- अभिलेख से प्राप्त जानकारी के अनुसार 24 अगस्त तक तहसील नरसिंहपुर में 759 मिमी, गाडरवारा में 1005 मिमी, गोटेगांव में 934 मिमी, करेली में 621 और तेन्दूखेड़ा में 808 मिमी वर्षा आंकी गई है। इसी अवधि में पिछले वर्ष जिले में औसतन 1041.80 मिमी वर्षा हुई थी। इस अवधि में पिछले वर्ष तहसील नरसिंहपुर में 1188 मिमी, गाडरवारा में 1056 मिमी, गोटेगांव में 851 मिमी, करेली में 1206 मिमी और तेन्दूखेड़ा में 908 मिमी वर्षा हुई थी।

प्रधानमंत्री ने मन की बात में झाबुआ के वेस्ट से बेस्ट अभियान के तहत बने गार्डन का उल्लेख किया

झाबुआ । सिटी चीफ ।
वेस्ट मटेरियल का उपयोग कर 3क्र(तीन आर) की तर्ज पर गार्डन बनाया गया

कलेक्टर द्वारा सीएमओ व उनकी स्वच्छता की टीम सुपर- 8 को बधाई दी गई आज मन की बात कार्यक्रम के 113वें एपिसोड में माननीय प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी द्वारा झाबुआ जिले के वेस्ट से बेस्ट अभियान के तहत बने गार्डन का उल्लेख किया। उन्होंने कहा कि मध्य-प्रदेश के झाबुआ में, कुछ ऐसा शानदार हो रहा है, जिसे आपको जरूर जानना चाहिए। वहाँ पर हमारे सफाई कर्मी भाई-बहनों ने कमाल कर दिया है। इन भाई-बहनों ने हमें Waste to Wealth का संदेश सच्चाई में बदलकर दिखाया है। इस टीम ने झाबुआ के एक पार्क में कचरे से ¥jél Art Works तैयार किया है। जैसा कि विदित है स्वच्छ भारत मिशन अभियान 2024 के वेस्ट से बेस्ट अभियान के अन्तर्गत जिला कलेक्टर नेहा मीना के मार्गदर्शन एवं नगर पालिका अध्यक्ष श्रीमति कविता सिंगार के निर्देशानुसार नगर पालिका झाबुआ के डा.भीमराव अम्बेडकर पार्क में 3क्र (रिड्यूस, रियूज, रिसाइकिल) पार्क बनाया गया जिसमें शहर में उपयोग उपरांत फेके गये वेस्ट मटेरियल से विभिन्न कलाकृतिया बनाई गई । कलेक्टर नेहा मीना द्वारा 3क्र (रिड्यूस, रियूज, रिसाइकिल) की तर्ज पर बने गार्डन के लिए नगर पालिका झाबुआ द्वारा कचरा प्रबंधन में किए गए प्रयासों की प्रशंसा करते हुए कहा कि इस प्रकार के प्रयासों जन जागरूकता की दिशा में सराहनीय कदम हैं , वेस्ट मैनेजमेंट आज के समय की जरूरत है और इसे रचनात्मकता के साथ करना प्रशंसनीय हैं। साथ ही इस उपलब्धि के लिए नगर पालिका परिषद झाबुआ की समस्त टीम को बधाई और शुभकामनाएं दी। इसी के साथ कलेक्टर कार्यालय में भी वेस्ट से बेस्ट अभियान के तहत स्वतंत्रता दिवस के कार्यक्रम के पश्चात एकत्र हुए प्लास्टिक वेस्ट से मोर और पोडियम बनाए जाने की प्रक्रिया शुरू हो चुकी हैं।

कौन है झाबुआ की स्वच्छता की टीम सुपर-8 गार्डन की समस्त कलाकृति एवं सम्पूर्ण कार्य बिना किसी बाहरी

व्यक्ति के सहयोग के नगर पालिका झाबुआ में कार्यरत सफाई मित्रो द्वारा ही अपनी मेहनत से तैयार की गई,जिसे कलेक्टर नेहा मीना द्वारा झाबुआ की स्वच्छता की टीम सुपर 8 नाम दिया गया हैं। जिसमे मुख्य रूप से मुख्य नगर पालिका अधिकारी के निर्देशन में श्री कमलेश जायसवाल एवं श्री टोनी मलिया प्रभारी स्वच्छता निरीक्षक के द्वारा अपने निर्देशन में व्यक्तिगत रूचि के साथ किया, डिज़ाइन का कार्य श्री सचिन कालिया सफाई जमादर एवं श्री नितेष रमेंष द्वारा ,वेस्ट मेटेरियल एकत्रित श्री कमलेश मन्नु सफाई जमादार , श्री महेश बाबुलाल सफाई जमादार एवं श्री अर्जुन सोहन जनसंरक्षक द्वारा ट्रेंचिंग ग्राउण्ड एवं अन्य स्थलो से वेस्ट समाग्री एकत्रित करण का कार्य किया गया और अन्तिम रूप देने एवं रंगाई कार्य एवं पेन्टींग कार्य श्री विजय बाबुलाल एवं श्री विजय घुलिया द्वारा पेन्टींग कार्य किया गया ।

पार्क की विशेषता 3R (रिड्यूस, रियूज, रिसाइकिल) पार्क में वेस्ट मटेरियल का प्रयोग कर विभिन्न कलाकृतियों का निर्माण किया गया हैं। पानी की प्लास्टिक बोतल से हैलिकप्टर की आकृति निर्माण लगभग 500 नग (10 किलो ग्राम) वेस्ट प्लास्टिक की बोतल का उपयोग किया गया एवं टायर पुराने 04 नग (20 किलो ग्राम) का उपयोग किया गया । पानी की प्लास्टिक बोतल से कार की आकृति निर्माण लगभग 700 नग (14 किलो ग्राम) वेस्ट प्लास्टिक की बोतल का उपयोग किया गया एवं टायर पुराने 03 नग (15 किलो ग्राम) का उपयोग किया गया । पानी की प्लास्टिक बोतल से जे.एम.सी. (झाबुआ नगर पालिका लोगो) का निर्माण लगभग 2000 नग (42 किलो ग्राम) वेस्ट प्लास्टिक की बोतला का उपयोग किया गया एवं टायर पुराने 12 नग (108 किलो ग्राम) का उपयोग किया गया । पानी की प्लास्टिक बोतल से पान के पत्ते की आकृति निर्माण लगभग 800 नग (15 किलो ग्राम) वेस्ट प्लास्टिक की बोतल का उपयोग किया गया एवं टायर पुराने 05 नग (75 किलो ग्राम) का उपयोग किया गया । पानी की प्लास्टिक बोतल से यातायात सिंगल पाईन्ट लगभग 70 नग (1.5 किलो ग्राम) वेस्ट प्लास्टिक की बोतल का उपयोग किया गया एवं टायर पुराने 01 नग (12 किलो ग्राम) का उपयोग किया गया । पानी की प्लास्टिक बोतल से दिवार का निर्माण लगभग 320 (7 किलो ग्राम) वेस्ट प्लास्टिक की बोतला का उपयोग किया गया एवं टायर पुराने 02 नग (18 किलो ग्राम) का उपयोग किया गया । पानी की प्लास्टिक बोतल से पौधे हेतु क्यारीया लगभग 400 नग (4.5 किलो ग्राम) वेस्ट प्लास्टिक की बोतला का उपयोग किया गया । पानी की प्लास्टिक बोतल से झोपडी का निर्माण लगभग 1800 नग (21 किलो ग्राम) वेस्ट प्लास्टिक की बोतला का उपयोग किया गया । झोपडी बैठक व्यवस्था हेतु वेस्ट पाईप से बैंच वेस्ट पाईप 09 फिट (54 किलो ग्राम) वेस्ट पाईप का उपयोग किया गया ।

हमलावरों ने चुनकर 23 लोगों की बेरहमी से की हत्या

पाकिस्तान में जन्माष्टमी के दिन वाहनों को रोककर यात्रियों को उतारा

पेशावर: पाकिस्तान में बलूचिस्तान के दक्षिण-पश्चिमी इलाके में श्री कृष्ण जन्माष्टमी के दिन सशस्त्र हमलावरों ने बसों, ट्रकों और अन्य वाहनों को रोककर उनमें सवार यात्रियों को उतारा और उनमें से 23 लोगों की निर्मम हत्या कर दी। घटना बलूचिस्तान के नुशकी जिले में हुई, जो पाकिस्तान का एक पहाड़ी और अस्थिरता से जूझ रहा इलाका है और यहां ज्यादातर अल्पसंख्यक समुदाय के लोग रहते हैं। जानकारी के अनुसार हमलावरों ने वाहनों को रोककर यात्रियों के पहचान पत्र जांचे और फिर कुछ चुनिंदा लोगों को उतारकर गोली मार दी। इस हमले में 23 यात्रियों की मौके पर ही मौत हो गई। कहा जा रहा है कि इश इलाके में बड़ी संख्या में हिंदू समुदाय से जुड़े लोग रहते हैं।

वरिष्ठ पुलिस अधिकारी अयूब अचकजई ने बताया कि हत्याएं बलूचिस्तान प्रांत के एक जिले मुसाखाइल में रात में हुईं। हमलावरों ने घटनास्थल से भागने से पहले कम से कम 10 वाहनों को जला दिया। राष्ट्रपति आसिफ अली जरदारी और गृह मंत्री मोहसिन नकवी ने अलग-अलग बयानों में इस हमले को बर्बरतापूर्ण बताया और कसम खाई कि इसके पीछे जो लोग हैं, वे न्याय से बच नहीं पाएंगे। यह हमला प्रतिबंधित बलूच लिबरेशन आर्मी अलगाववादी समूह द्वारा लोगों को राजमार्गों से दूर रहने की चेतावनी दिए जाने के कुछ घंटों बाद हुआ, लेकिन तत्काल किसी ने जिम्मेदारी नहीं ली। बलूचिस्तान में अलगाववादियों ने देश के पूर्वी पंजाब क्षेत्र के श्रमिकों और अन्य लोगों को प्रांत छोड़ने के लिए मजबूर करने के अभियान के तहत अक्सर मार डाला है, जहां वर्षों से कम स्तर का विद्रोह चल रहा है। इस तरह की पिछली ज्यादातर हत्याओं के लिए प्रतिबंधित समूह और इस्लामाबाद में केंद्र सरकार से आज़ादी की मांग करने वाले अन्य लोगों को दोषी ठहराया गया है। प्रांत में इस्लामी आतंकवादियों की भी मौजूदगी है।

बता दें कि बलूचिस्तान प्रांत पहले से ही हिंसा और विद्रोही गतिविधियों के लिए कुख्यात रहा है इस क्षेत्र में लंबे समय से सांप्रदायिक और राजनीतिक अस्थिरता का माहौल है और दमनकारी पाक सरकार व सेना के खिलाफ प्रदर्शन होते रहते हैं ।

यमन में नाव पलटने से 13 लोगों की मौत, 14 लापता

अदन: यमन के तट पर प्रवासियों की एक नाव के पलटने से कम से कम 13 लोगों की मौत हो गई है तथा 14 अन्य लापता हैं। अंतरराष्ट्रीय प्रवासन संगठन (आईओएम) ने रविवार को यह जानकारी दी। आईओएम की रिपोर्ट के अनुसार यह नाब जिबूती से रवाना हुयी थी और 25 इथियोपियाई प्रवासियों तथा दो यमनी नागरिकों को लेकर जा रही थी। इस दौरान मंगलवार को बानी अल-हकम उप-जिले में डुबाब जिले के निकट यह पलट गया।

आईओएम ने कहा कि मृतकों में 11 पुरुष तथा दो महिलाएं शामिल हैं, जिनके शव बरामद कर लिए गए हैं। शेष लापता व्यक्तियों का पता लगाने के लिए तलाश अभियान अभी भी जारी है। नाव के डूबने का कारण का अभी भी पता नहीं चल पाया है।

आईओएम यमन के कार्यवाहक मिशन प्रमुख मैट ह्यूबर ने कहा, यह नवीनतम त्रासदी इस मार्ग पर प्रवासियों द्वारा सामना किए जाने वाले खतरों की एक कठोर याद दिलाती है... यह आवश्यक है कि हम इन विनाशकारी नुकसानों को सामान्य न मानें, तथा इसके बजाय यह सुनिश्चित करने के लिए सामूहिक रूप से काम करें कि प्रवासियों को उनकी यात्रा के दौरान सुरक्षा तथा सहायता मिले। उन्होंने कहा कि बार-बार चेतावनी और हस्तक्षेप के बावजूद, यमन के तटवर्ती जलक्षेत्र में खतरनाक दर से लोगों की जान जा रही है। असुरक्षित प्रवासी, जो अक्सर सुरक्षा और अवसर की तलाश में खाड़ी देशों में हताश परिस्थितियों से भागते हैं, अक्सर तस्करी नेटवर्क द्वारा उनका शोषण किया जाता है और उन्हें खतरनाक परिस्थितियों में धकेल दिया जाता है। आईओएम के विस्थापन ट्रैकिंग मैट्रिक्स ने 2023 में यमन में 97,200 से अधिक प्रवासियों के आगमन को दर्ज किया है, जो पिछले वर्ष की संख्या से अधिक है। यमन में चल रहे संघर्ष और बिगड़ती परिस्थितियों ने कई प्रवासियों को फंसा दिया है।

बुनियादी सेवाओं तक उनकी पहुंच सीमित है और हिंसा तथा शोषण का लगातार सामना करना पड़ रहा है। आईओएम सभी हितधारकों से समर्थन बढ़ाने और संघर्ष, गरीबी और जलवायु संबंधी चुनौतियों सहित अनियमित प्रवास को बढ़ावा देने वाले मूल कारणों को संबोधित करने का आह्वान कर रहा है।

ढाका में मेट्रो सेवा 30 दिनों से अधिक समय के बाद फिर शुरू

ढाका। बांग्लादेश में अभूतपूर्व सरकार विरोधी प्रदर्शनों के दौरान यात्रियों के लिए बंद रहने के एक महीने बाद रविवार को ढाका मेट्रो ने अपनी सेवाएं फिर से शुरू कर दीं। एक आधिकारिक अधिसूचना के अनुसार, दो स्टेशन - मीरपुर 10 और काजीपाड़ा - बंद रहेंगे। मेट्रो सेवा बहाली से छात्रों और कार्यालय जाने वालों लोगों ने राहत की सांस ली क्योंकि उन्हें अपने गंतव्य तक पहुंचने के लिए रोजाना ढाका के भारी यातायात जाम से गुजरना पड़ता था। आधिकारिक अधिसूचना के अनुसार, सुबह करीब सात बजे मेट्रो सेवाएं फिर से शुरू हुईं। जुलाई में सरकार विरोधी प्रदर्शनों के दौरान मीरपुर-10 और काजीपाड़ा स्टेशन पर तोड़फोड़ की गई थी। जुलाई के तीसरे सप्ताह में ढाका मेट्रो सेवाएं यात्रियों के लिए बंद कर दी गई थीं। अंतरिम सरकार में सड़क परिवहन मामलों के सलाहकार मोहम्मद फौजुल कबीर खान ने कहा, ''हम मेट्रो रेल के बुनियादी ढांचे को किसी भी तरह की तोड़फोड़ की घटना से बचाने के लिए सुरक्षा और मजबूत करने की योजना बना रहे हैं। खान ने कहा कि अंतरिम सरकार सेवा में किसी भी तरह की बाधा को रोकने के लिए मेट्रो रेल संचालन को एक आवश्यक सेवा घोषित करने की भी योजना बना रही है। उन्होंने मेट्रो में अगरगोन स्टेशन से बांग्लादेश सचिवालय तक यात्रा भी की। ढाका उच्च न्यायालय के एक अधिकारी ने बताया कि उन्होंने रविवार को अपने कार्यालय जाने के लिए मेट्रो का इस्तेमाल किया और सेवा की बहाली होने से उनके जैसे दैनिक यात्रियों को बड़ी राहत मिली है।

अपनी कंपनियों पर अमेरिकी प्रतिबंधों से भड़का चीन, कहा- उठाएगा कड़े कदम

बीजिंग। चीन ने यूक्रेन में रूस के युद्ध से कथित संबंधों को लेकर चीनी कंपनियों पर लगाए नए अमेरिकी प्रतिबंधों पर रविवार को विरोध जताया और कहा कि वह देश के व्यवसायों से जुड़े अधिकारों और हितों की रक्षा के लिए आवश्यक और कड़े कदम उठाएगा। अमेरिका ने रूस और यूरोप, एशिया तथा पश्चिम एशिया में सैकड़ों कंपनियों पर प्रतिबंधों की घोषणा करते हुए शुक्रवार को उन पर ऐसे उत्पाद तथा सेवाएं देने का आरोप लगाया जिससे रूस को युद्ध में मदद मिली और प्रतिबंधों से बचने में उसके समार्थ्य में इजाफा हुआ। अमेरिका के विदेश विभाग ने कहा कि वह चीन से रूस तक ''दोहरे उपयोग वाले सामान के निर्यात को लेकर चिंतित है।

चीन में वाणिज्य मंत्रालय ने अपने बयान में अमेरिका द्वारा चीन की कई कंपनियों को अपनी निर्यात नियंत्रण सूची में रखने का कड़ा विरोध किया। इस कदम से ऐसी कंपनियों के अमेरिकी कंपनियों से व्यापार करने पर रोक लग जाएगी। मंत्रालय ने कहा कि अमेरिकी कार्रवाई ''एकतरफा प्रतिबंध हैं और इससे वैश्विक व्यापार और नियम बाधित होंगे तथा इससे वैश्विक औद्योगिक व आपूर्ति श्रृंखलाओं की स्थिरता पर भी असर पड़ेगा। उसने कहा, ''चीन, अमेरिका से तुरंत गलत कदमों को रोकने का अनुरोध करता है और वह चीनी कंपनियों के वैध अधिकारों तथा हितों की रक्षा के लिए आवश्यक कदम उठाएगा। अमेरिकी विदेश विभाग के अनुसार, चीन स्थित कुछ कंपनियों ने रूसी कंपनियों को मशीन के कलपुर्जे और अन्य घटकों की आपूर्ति की।

शेख हसीना की भारत में उलटी गिनती शुरू

बांग्लादेश में हत्या के चार और मामले दर्ज

नेशनल डेस्क। बांग्लादेश की अपदस्थ प्रधानमंत्री शेख हसीना और उनके पूर्व कैबिनेट सहयोगियों के खिलाफ हत्या के कम से कम चार और मामले दर्ज किए गए हैं। रविवार को मीडिया में आईं खबरों से यह जानकारी मिली है। सरकारी समाचार एजेंसी बीएसएस की खबर के अनुसार, वर्ष 2010 में बांग्लादेश राइफल्स (बीडीआर) के एक अधिकारी अब्दुर रहीम की मौत के मामले में रविवार को हसीना (76), बांग्लादेश सीमारक्षक बल (बीजीबी) के पूर्व निदेशक जनरल अजीज अहमद व 11 अन्य के खिलाफ हत्या का मामला दर्ज किया गया। समाचार एजेंसी ने बताया कि 18 जुलाई को भेदभाव विरोधी छात्र आंदोलन के दौरान सैन्य विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी संस्थान (एमआईएसटी) के एक छात्र की हत्या के मामले में हसीना और 48 अन्य के खिलाफ रविवार को हत्या का एक और मामला दर्ज किया गया। इसके अलावा बांग्लादेश द्वारा शेख हसीना का राजनयिक पासपोर्ट रद्द करने के बाद उनके भारत प्रवास को लेकर उलटी गिनती शुरू हो गई है। एक समाचार पत्र की रिपोर्ट के अनुसार, बांग्लादेश की पूर्व प्रधानमंत्री शेख हसीना के पास उनके नाम से जारी किए गए राजनयिक पासपोर्ट के अलावा कोई अन्य पासपोर्ट नहीं है। छात्रों द्वारा अपनी सरकार के खिलाफ विद्रोह के बाद पद से हटाए जाने के बाद बांग्लादेश की पूर्व प्रधानमंत्री शेख हसीना ने लगभग तीन सप्ताह भारत में बिताए हैं। हालांकि पूर्व प्रधानमंत्री के अगले कदम के बारे में अटकलें लगाई जा रही हैं, लेकिन बांग्लादेश की अंतरिम सरकार द्वारा हसीना का राजनयिक पासपोर्ट रद्द करने से उनके भारत प्रवास पर समय की टिक टिक लग सकती है। देश के गृह मंत्रालय के सुरक्षा सेवा प्रभाग ने घोषणा की है कि शेख हसीना, उनके सलाहकारों, पूर्व कैबिनेट सदस्यों और हाल ही में भंग की गई 12वीं जातीय संसद (संसद) के सभी सदस्यों और उनके जीवनसाथियों का राजनयिक पासपोर्ट तत्काल प्रभाव से रद्द कर दिया जाएगा। यह कदम अगस्त में राष्ट्रपति मोहम्मद शहाबुद्दीन द्वारा संसद को भंग करने के बाद उठाया गया है, जिसके तुरंत बाद 76 वर्षीय हसीना को इस्तीफा देने और देश छोड़ने के लिए मजबूर होना पड़ा था। इन पासपोर्टों को रद्द करने का दायरा राजनयिक अधिकारियों पर भी लागू होता है, जिनका कार्यकाल समाप्त हो चुका है, और कम से कम दो जांच एजेंसियों से मंजूरी मिलने के बाद ही सामान्य पासपोर्ट जारी किए जाने की संभावना है। सरकारी सूत्रों के अनुसार, शेख हसीना के पास अब रद्द किए गए राजनयिक पासपोर्ट के अलावा कोई अन्य पासपोर्ट नहीं है, द डेली स्टार अखबार ने रिपोर्ट किया। भारतीय वीजा नीति के तहत, राजनयिक या आधिकारिक पासपोर्ट रखने वाले बांग्लादेशी नागरिक वीजा-मुक्त प्रवेश के लिए पात्र हैं और वे देश में 45 दिनों तक रह सकते हैं। शनिवार तक, हसीना पहले ही भारत में 20 दिन बिता चुकी हैं, और उनके कानूनी प्रवास की घड़ी टिक-टिक कर रही है। उनके राजनयिक पासपोर्ट और उससे जुड़े वीजा विशेषाधिकारों को रद्द करने से बांग्लादेश में प्रत्यर्पण का जोखिम हो सकता है, जहां उन पर हत्या के 42 मामलों सहित 51 मामले चल रहे हैं। हसीना का प्रत्यर्पण बांग्लादेश और भारत के बीच 2013 की प्रत्यर्पण संधि के कानूनी ढांचे के अंतर्गत आएगा, जिसे 2016 में संशोधित किया गया था। हालांकि संधि में आरोप राजनीतिक प्रकृति के होने पर प्रत्यर्पण से इनकार करने की अनुमति दी गई है, लेकिन यह स्पष्ट रूप से हत्या जैसे अपराधों को राजनीतिक मानने से बाहर रखता है।

कंगना रनौत के बयान से खड़ा हुआ विवाद

भारत में भी बांग्लादेश जैसी स्थिति पैदा हो सकती....

नेशनल डेस्क। भाजपा नेता और मंडी सांसद कंगना रनौत ने यह कहकर विवाद खड़ा कर दिया कि अगर मोदी सरकार ने कड़े कदम नहीं उठाए होते तो किसानों के विरोध प्रदर्शन के कारण भारत में बांग्लादेश जैसी स्थिति पैदा हो सकती थी।

एक्स पर साझा किए गए एक वीडियो में, रानौत ने आरोप लगाया कि तीन कृषि कानूनों के खिलाफ किसानों के आंदोलन के दौरान, शवों को लटका हुआ देखा गया और बलात्कार हो रहे थे।

अभिनेता-राजनेता कंगना ने कानूनों को वापस लिए जाने के बाद भी विरोध जारी रहने के लिए निहित स्वार्थों और विदेशी शक्तियों को जिम्मेदार ठहराया। उन्होंने कहा, बांग्लादेश में जो हुआ, वह आसानी से यहां भी हो सकता था... यह विदेशी ताकतों की साजिश है और ये फिल्मी लोग इसी में कामयाब होते हैं। अगर देश बर्बाद हो जाए तो उन्हें इसकी कोई परवाह नहीं है।

उनकी टिप्पणियों की उनकी अपनी ही पार्टी के भीतर आलोचना हुई है। पंजाब बीजेपी के वरिष्ठ नेता हरजीत गरेवाल ने रनौत को भड़काऊ बयान देने से परहेज करने की सलाह दी।

गरेवाल ने बताया, किसानों पर बोलना कंगना का विभाग नहीं है, कंगना का बयान निजी है। पीएम मोदी और बीजेपी किसान हितैषी हैं। विपक्षी दल हमारे खिलाफ काम कर रहे हैं और कंगना का बयान भी वही कर रहा है। उन्हें संवेदनशील या धार्मिक मुद्दे पर ऐसे बयान नहीं देने चाहिए।

रानौत की टिप्पणियां भाजपा के लिए एक अजीब समय पर आई हैं, जब हरियाणा में विधानसभा चुनाव कुछ ही हफ्ते दूर हैं। उनकी टिप्पणी से भाजपा के खिलाफ किसानों का आक्रोश और भड़क सकता है, जिससे कृषि-केंद्रित क्षेत्रों में पार्टी की चुनावी संभावनाओं पर असर पड़ सकता है। यह पहली बार नहीं है जब रनौत को किसानों पर अपनी टिप्पणियों के लिए आलोचना का सामना करना पड़ा है।

2020 में, कृषि विरोधी कानूनों के विरोध के बीच, उन्होंने पंजाब की एक महिला किसान की गलत पहचान करने और उसके बारे में अपमानजनक टिप्पणी करने के बाद एक बड़ा विवाद खड़ा कर दिया। संसद के लिए चुने जाने के कुछ ही समय बाद, रानौत चंडीगढ़ हवाई अड्डे पर एक सीआईएसएफ कर्मी के साथ विवाद में भी शामिल थीं, जिसने कथित तौर पर उनकी किसान विरोधी टिप्पणियों पर उन्हें थप्पड़ मार दिया था।

स्वामी, प्रकाशक एवं मुद्रक श्रीमती ज्योती मिश्रा द्वारा कॉम्पेक प्रिंटर्स प्रा. लि. फ्री प्रेस हाउस 3/54, प्रेस कॉम्पलेक्स, ए.बी. रोड, इंदौर से मुद्रित एवं 45ए गुप्ता चैम्बर पहली मंजिल जावरा कंपाउंड इंदौर, (म.प्र.) से प्रकाशित।
प्रधान सम्पादक : अशीष मिश्रा आर.एन.आई. पंजीयन क्रमांक : एमपी/एच/आइएन 2009/34385 फोन नं : 0731-4202569 फैक्स नं : 0731-4202569